तापमान
अधिकतम 33.7°C
न्यूनतम 15.2°C

हरिभूमि
सोनीपत भूमि
रोहतक, रविवार 18 अक्टूबर 2026

13 छल-कपट कर सीता का हरण कर ले गया रावण



14 मुरथल रोड पर धड़ल्ले से कट रही अवैध कॉलोनियां



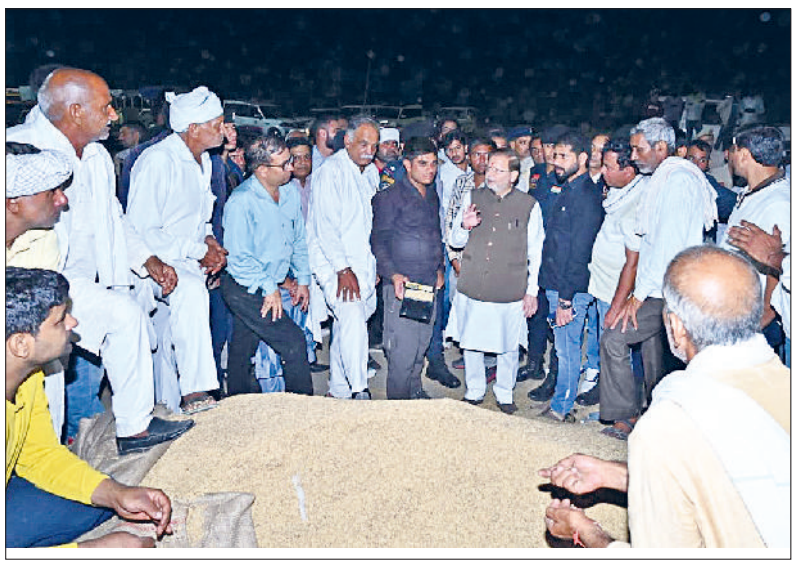
धान की ढेरियों पर पहुंचे मंत्री, नमी जांची तो पूछा- खरीद क्यों नहीं हुई

किसानों का आरोप, साफ धान में कमी बताकर दोबारा सफाई करवाई जा रही

■ डॉ. अरविंद शर्मा के हस्तक्षेप पर शुरू हुई खरीद, किसानों ने बताई परेशानी, पेयजल, सफाई और उठान व्यवस्था सुधारने के निर्देश

हरिभूमि न्यूज ⏭ सोनीपत

सोनीपत अनाज मंडी में धान खरीद में देरी और किसानों की परेशानी का मामला शनिवार शाम कैबिनेट मंत्री डॉ. अरविंद शर्मा के सामने पहुंचा। किसानों ने पीआर धान की खरीद में बेवजह कमियां निकालने और पेयजल की व्यवस्था नहीं होने की शिकायत की। इस पर मंत्री खुद धान की ढेरियों तक पहुंचे और नमी की जांच करवाई। कुछ ढेरियों में धान निर्धारित मानकों के अनुरूप मिलने पर उन्होंने खरीद एजेंसियों के अधिकारियों से सवाल किया कि जब धान में कोई कमी नहीं है तो अब तक खरीद क्यों नहीं हुई। इसके बाद संबंधित धान की खरीद शुरू करवाई गई। मंत्री ने अधिकारियों को स्पष्ट निर्देश दिए कि मानकों पर खरा उतरने वाली फसल की खरीद में देरी न हो और किसानों को अनावश्यक परेशान न किया जाए। किसानों ने बताया कि साफ धान में भी सफाई की कमी बताकर दोबारा सफाई करने को कहा जा रहा है। कई किसानों ने नमी अधिक बताकर धान नहीं खरीदने की शिकायत भी की। मंत्री ने पेयजल, बैठने और शौचालय की व्यवस्था दुरुस्त करने के साथ बारदाने की उपलब्धता बढ़ाने और धान के उठान में तेजी लाने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि किसानों के हित सर्वोपरि हैं और खरीद में लापरवाही मिलने पर संबंधित अधिकारियों की जवाबदेही तय की जाएगी।



सोनीपत। अनाज मंडी में धान खरीद का निरीक्षण करते मंत्री डॉ. अरविंद शर्मा।

किसान ने जताई नाराजगी

मंडी में खरीद में देरी से परेशान एक किसान ने नाराजगी जताते हुए कहा कि वह अब तक भाजपा को वोट देता रहा है, लेकिन मौजूदा परेशानी के बाद मतदान के समय अपने फैसले पर विचार करना पड़ेगा। किसान की प्रतिक्रिया के बाद मौके पर कुछ समय के लिए तनाव की स्थिति बनी। बाद में मंत्री ने किसान से बातचीत की और अधिकारियों को समस्या का समाधान करने के निर्देश दिए।

अरविंद शर्मा ने एसआईआर को लेकर कांग्रेस को घेरा

मंडी निरीक्षण के दौरान डॉ. अरविंद शर्मा ने विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) और मुख्य चुनाव आयुक्त के इस्तीफे की मांग को लेकर कांग्रेस पर निशाना साधा। उन्होंने सवाल किया कि चुनाव जीतने पर कांग्रेस को चुनाव आयोग निष्पक्ष नजर आता है, जबकि हारने पर उसी पर सवाल क्यों उठाए जाते हैं। उन्होंने आरोप लगाया कि कांग्रेस अपनी राजनीतिक विफलताओं को छिपाने के लिए संवैधानिक संस्थाओं को निशाना बना रही है।

लघुशंका करने गए युवक की बाइक और मोबाइल फोन चोरी

सोनीपत। गांव बड़वासनी के पास गोहाना-सोनीपत मार्ग पर सड़क किनारे बाइक खड़ी कर लघुशंका करने गए युवक की बाइक और मोबाइल फोन चोरी हो गया। युवक ड्यूटी खत्म कर घर लौट रहा था और बाइक की चाबी भी लगी छोड़ गया था। सदर थाना पुलिस ने शिकायत पर प्राथमिकी दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। गांव दोदवा निवासी सन्नी ने पुलिस को बताया कि वह ओपी जिंदल ग्लोबल विश्वविद्यालय, जगदीशपुर में कार्यरत है। बुधवार को ड्यूटी खत्म करने के बाद वह बाइक से घर लौट रहा था। बड़वासनी के पास उसने बाइक सड़क किनारे रोकी और लघुशंका के लिए झाड़ियों में चला गया। वापस लौटा तो बाइक गायब मिली। बाइक पर रखे बैग में उसका मोबाइल फोन भी था। आसपास तलाश करने के बाद भी बाइक और मोबाइल का सुराग नहीं लगा। इसके बाद उसने पुलिस को शिकायत दी। पुलिस ने केस दर्ज कर मामले की जांच शुरू कर दी है।

तहसील की पार्किंग से ई-रिक्शा चोरी



गन्नौर। तहसील कॉम्प्लेक्स की पार्किंग से ई-रिक्शा चोरी होने का मामला सामने आया है। पुलिस ने शिकायत के आधार पर अज्ञात व्यक्ति के खिलाफ केस दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। गांव गढ़ी केसरी निवासी ललित ने पुलिस को दी शिकायत में बताया कि 14 अक्टूबर को वह मुकदमे की तारीख पर गन्नौर न्यायालय आया था। उसने सुबह करीब 10 बजे अपनी ई-रिक्शा तहसील कॉम्प्लेक्स की पार्किंग में खड़ी की और अदालत में चला गया। दोपहर करीब 12 बजे वापस लौटने पर ई-रिक्शा वहां नहीं मिली। उसने आसपास तलाश की, लेकिन कोई सुराग नहीं लगा। शिकायतकर्ता ने बताया कि ई-रिक्शा उसकी आजीविका का मुख्य साधन है। इसके चोरी होने से परिवार के पालन-पोषण में परेशानी खड़ी हो गई है। पुलिस ने मामला दर्ज कर मामले की जांच एएसआई सतबीर सिंह को सौंपी गई है। पुलिस- ई-रिक्शा की तलाश में जुटी है।



श्री बसन्त जैन, माणिक जैन गांव खेवड़ा से पांची

पावन दुर्गा अष्टमी की हार्दिक शुभकामनाएं!

खोटी ज्वैलरी ना लेकर हमसे 100% शुद्ध ज्वैलरी लें।

माँ महागौरी की कृपा से आपके जीवन में सुख, शांति, समृद्धि और खुशहाली का वास हो।

जैनसन्स ज्वैलर्स

जैनसन्स फीलिंग स्टेशन (प्योर भी, पूरा भी)

डिवाइडर सैक्टर 12, 14, 15, सोनीपत



माँ दुर्गा की असीम कृपा व वरदान मिला होने के कारण हमारी ज्वैलरी आपको व आपके परिवार को रूप, जय, यश, शांति, शक्ति, सफलता, आयु, बुद्धि, निरोग काया, अच्छी संतान व हर तरह की खुशी प्रदान करती है। जो लेकर गए हैं उनसे पूछकर देखें, सच्चाई खुद बोलेगी। आप भी एक बार जरूर आजमा कर देखें

नोट : हमारी हर ज्वैलरी पर Government की दी नम्बर प्लेट लगी है जैसे आपकी गाड़ी, पैन कार्ड, आधार कार्ड पर लगी होती है। जिसे Online देखने पर उनकी प्योरिटी, फोटो, कब बनी, कब लैब टैस्ट हुई आदि ज्वैलरी का पूरा विवरण निकल आएगा।

हरियाणा का पहला 100% भारत सरकार की लैब टैस्टिड H.U.I.D. No. लगी ज्वैलरी शोरूम

जो अपने माँ-बाप, अपने खून का नहीं वो किसी का नहीं

कब बनाई, कम रेट सस्ती ज्वैलरी नकली हॉलमार्क HUID डीप की हुई लोकल व खोटी ज्वैलरी ना लेकर जैनसन्स ज्वैलर्स से भारत सरकार की थ्री ग्राइंडिंग, हाई पॉलिश, ग्लास फिनिशिंग व नीस की हुई अद्भुत अविश्वसनीय इम्पोर्टिड ज्वैलरी जैसे टर्की, इटैलियन, स्कॉटलैंड, दुबई, ब्राजील व हांगकांग के नये-नये डिजाइन की ज्वैलरी सबसे अच्छी, सस्ती सबसे बढ़िया और 100% प्योर भी।

हमारे यहां राशि के असली नग नलीम, पुखराज आदि लैब टैस्टिड उपलब्ध हैं।

नोट : डायमंड की इम्पोर्टिड ज्वैलरी फैक्ट्री रेट पर उपलब्ध है।

आवश्यकता है सेल्समेन और सेल्सगर्ल की अच्छी सेलरी के साथ

जैनसन्स रोड, सुभाष चौक सोनीपत (स्वर्णप्रस्थ)

कार देने का झांसा देकर 5.50 लाख रुपये ठगे

सोनीपत। स्विफ्ट कार खरीदने के लिए 5.50 लाख रुपये देने के बावजूद कार नहीं मिलने और रकम वापस मांगने पर कथित तौर पर दूसरे व्यक्ति के खाते का चेक थमाने का मामला सामने आया है। उत्तराखंड के कोटद्वार स्थित गोविंद नगर निवासी योगेश कुमार की शिकायत पर बहालगढ़ थाना पुलिस ने प्राथमिकी दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। शिकायतकर्ता ने रुपये मांगने पर जान से मारने की धमकी देने का आरोप भी लगाया है। योगेश कुमार के अनुसार, जून-जुलाई 2025 में पलड़ी खुर्द और झुंडपुर गांव में उसकी मुलाकात संदीप से हुई थी। संदीप के पास स्विफ्ट कार थी, जिसका सौदा 5.50 लाख रुपये में तय हुआ। आरोप है कि उसने मौके पर तीन लाख रुपये, मोदीनगर में 50 हजार रुपये और सोनीपत में दो लाख रुपये दिए। पूरी रकम देने के बावजूद उसे कार नहीं सौंपी गई।

चेक लगाया तो दूसरे व्यक्ति का निकला खाता, केस दर्ज

योगेश ने रकम वापस मांगी तो संदीप ने साढ़े पांच लाख रुपये का चेक दिया। आरोप है कि चेक पर अभिषेक के नाम से हस्ताक्षर थे, जबकि बैंक में जांच कराने पर खाता इंतजार नाम के व्यक्ति का निकला। योगेश के अनुसार, उसने 10 सितंबर 2025 को चेक बैंक में लगाया था। रकम वापस मांगने के लिए संदीप के घर जाने पर उसे गोली मारने की धमकी दी गई। इसके बाद उसने कोटद्वार कोतवाली में जीरो प्राथमिकी दर्ज कराई। वहां से मामला जांच के लिए बहालगढ़ थाना भेजा गया। पुलिस ने प्राथमिकी दर्ज कर मामले की जांच शुरू कर दी है।

गद्दा फैक्ट्री अग्निकांड: डीएनए जांच से होगी चाचा-भतीजे की पहचान

हरिभूमि न्यूज ⏭ सोनीपत

गांव बारोटा के पास गद्दा फैक्ट्री में हुए भीषण अग्निकांड ने दो परिवारों को गहरे सदमे में डाल दिया है। हादसे में जान गंवाने वाले चाचा-भतीजे के शव बुरी तरह जलकर कंकाल में बदल गए हैं। ऐसे में उनकी पहचान की आधिकारिक पुष्टि के लिए डीएनए जांच कराई जाएगी। पुलिस ने परिजनों के बयान दर्ज कर पोस्टमार्टम सहित आवश्यक प्रक्रिया पूरी कर ली है। वहीं, आग में झुलसे तीन अन्य श्रमिकों की हालत गंभीर बनी हुई है। उन्हें अस्पताल के सघन चिकित्सा कक्ष में भर्ती कर चिकित्सकों की निगरानी में उपचार दिया जा रहा है। उधर, परिजनों ने मामले की निष्पक्ष जांच कर दोषियों के खिलाफ कार्रवाई करने की मांग की है।

गौरतलब है कि बारोटा के पास सफियाबाद रोड स्थित लीजेंड पॉलीफॉर्म प्राइवेट लिमिटेड की गद्दा फैक्टरी में वीरवार तड़के भीषण आग लगी थी। आग की चपेट में आने से उत्तर प्रदेश के लखीमपुर खीरी जिले के गांव हरदी गुदरिया निवासी कन्हैया लाल उर्फ कैलाश और रामपरेश के बेटे सुनील की मौत हो गई थी। घटनास्थल पर पहुंची राज्य आपदा मोचन बल की टीम ने तलाशी अभियान के दौरान दोनों के कंकाल बरामद किए थे। शव बुरी तरह जल जाने के कारण सामान्य तरीके से पहचान संभव नहीं हो सकी।

पुलिस ने आवश्यक प्रक्रिया पूरी कर ली है और डीएनए जांच के लिए नमूने लिए गए हैं। जांच रिपोर्ट आने के बाद ही दोनों की पहचान की आधिकारिक पुष्टि हो सकेगी। अग्निकांड में जान गंवाने वाले कन्हैया लाल उर्फ कैलाश के भाई रमाकांत ने बताया कि हादसे ने उनके परिवार को पूरी तरह तोड़ दिया है। कन्हैया की पत्नी का करीब एक साल पहले निधन हो गया था। इसके बाद वह अपने तीन बेटों का पालन-पोषण कर रहे थे। अब उनकी मौत से सात, पांच और साढ़े तीन साल के तीनों बच्चों के सिर से पिता का साया भी उठ गया है। वहीं अग्निकांड में जान गंवाने वाला सुनील, कन्हैया के मौसेरे भाई रामपरेश का बेटा था। उसकी मौत से माता-पिता और दोनों भाइयों पर दुखों का पहाड़ टूट पड़ा है।

आग में झुलसे श्रमिकों की हालत गंभीर

आग में झुलसे प्रेम सागर, राजेश और पवन की हालत भी गंभीर बनी हुई है। तीनों को अस्पताल के सघन चिकित्सा कक्ष में भर्ती कराया गया है। चिकित्सक उनकी स्थिति पर लगातार नजर रख रहे हैं। हादसे में दो श्रमिकों की मौत और तीन अन्य के गंभीर रूप से झुलसने से फैक्ट्री में सुरक्षा इंतजामों को लेकर भी सवाल उठ रहे हैं। कुंडली थाना प्रभारी इंस्पेक्टर रवि ने बताया कि मृतकों के परिजनों के बयान दर्ज करने के बाद पोस्टमार्टम सहित आवश्यक प्रक्रिया पूरी कराई गई है। डीएनए जांच के लिए नमूने लिए गए हैं। पुलिस आग लगने के कारणों के साथ फैक्ट्री की सुरक्षा व्यवस्था से जुड़े पहलुओं की भी जांच कर रही है।



02/10/1943 - 18/10/2020

स्व. श्री देवराज दिवान जी

(पूर्व विधायक)

की पुण्यतिथि पर उन्हें सादर नमन।

आपकी स्मृतियाँ, संस्कार एवं आदर्श सदैव हमारे हृदय में जीवित रहेंगे।

दिनांक: 18 अक्टूबर 2026 | समय : सुबह 11:30 बजे से | प्रसाद रूपी भंडारा

स्थान : दिवान फार्म, दिल्ली-सोनीपत रोड, अहमदपुर चौक, सोनीपत-131001

श्रद्धांजलि

श्रीमती बिमला दिवान (धर्मपत्नी)

कमल एवं मेघा दिवान (पुत्र - पुत्रवधू) ललित एवं प्रियंका दिवान (पुत्र - पुत्रवधू)

बैंक एफडी से आगे निकल सकते हैं ये म्यूचुअल फंड?

■ ज्यादा रिटर्न की संभावना के साथ बाजार जोखिम भी, निवेश से पहले समझें कौन-सा विकल्प आपके लिए बेहतर



बिजनेस डेस्क

बैंक की सावधि जमा यानी एफडी को सुरक्षित निवेश का भरोसेमंद विकल्प माना जाता है। इसमें ब्याज दर पहले से तय रहती है और निर्धारित अवधि पूरी होने पर मिलने वाली रकम का अनुमान लगाया जा सकता है। लेकिन जो निवेशक थोड़ा जोखिम उठाकर बेहतर रिटर्न की संभावना तलाशना चाहते हैं, उनके सामने म्यूचुअल फंड भी एक विकल्प हो सकते हैं। भारतीय स्टेट बैंक म्यूचुअल फंड की कुछ योजनाएं अपेक्षाकृत कम अवधि या सीमित जोखिम वाले निवेश के उद्देश्य से बनाई गई हैं। हालांकि, इन्हें बैंक एफडी जितना सुरक्षित मानना सही नहीं है। म्यूचुअल फंड में रिटर्न की गारंटी नहीं होती और बाजार की परिस्थितियों के कारण निवेश की रकम घट भी सकती है।

1. एसबीआई सेविंग्स फंड

जिन निवेशकों को अपनी रकम कुछ महीनों के लिए निवेश करनी है, वे एसबीआई सेविंग्स फंड पर विचार कर सकते हैं। यह योजना मुख्य रूप से मनी मार्केट और अन्य अल्पकालिक ऋण साधनों में निवेश करती है। इसका उद्देश्य कम अवधि के लिए रकम का प्रबंधन करना होता है। हालांकि, इसका रिटर्न ब्याज दरों और पोर्टफोलियो में शामिल प्रतिभूतियों के प्रदर्शन पर निर्भर करता है। यदि किसी निश्चित तारीख पर पूरी रकम की जरूरत है, तो निवेश से पहले निकासी की शर्तें और जोखिम जरूर समझें।

2. एसबीआई लो ड्यूरेशन फंड

यह फंड उन निवेशकों के लिए एक विकल्प हो सकता है, जिन्हें कुछ समय तक रकम की जरूरत नहीं है और वे ऋण आधारित निवेश चाहते हैं। इसमें ब्याज दरों में बदलाव तथा बॉन्ड जारी करने वाली कंपनियों की भुगतान क्षमता से जुड़ा जोखिम रहता है। निवेश करने से पहले फंड की क्रेडिट गुणवत्ता, पोर्टफोलियो की अवधि और खर्च का आकलन करना जरूरी है। कम अवधि का फंड होने का अर्थ यह नहीं है कि इसमें नुकसान की आशंका नहीं है।

3. एसबीआई बैंकिंग एंड पीएसयू फंड

इस श्रेणी के फंड मुख्य रूप से बैंकों, सार्वजनिक क्षेत्र के उपक्रमों और वित्तीय संस्थानों की ऋण प्रतिभूतियों में निवेश करते हैं। इन संस्थानों की साख अच्छी हो सकती है, लेकिन निवेश पूरी तरह जोखिम मुक्त नहीं होता। ब्याज दरों में बदलाव से बॉन्ड की कीमत प्रभावित हो सकती है। इसलिए निवेश की अवधि और जोखिम सहने की क्षमता के अनुसार ही फैसला लें।

4. एसबीआई आर्बिट्राज फंड

जो निवेशक सीधे शेयरों में पैसा लगाने से बचना चाहते हैं, वे आर्बिट्राज फंड की कार्यप्रणाली समझ सकते हैं। ऐसे फंड नकदी और वायदा बाजार में एक ही शेयर की कीमतों के अंतर से लाभ कमाने की कोशिश करते हैं। इनका जोखिम सामान्य इक्विटी फंड से अलग होता है, लेकिन रिटर्न निश्चित नहीं होता। निवेश से पहले खर्च, कर नियम और संभावित रिटर्न को समझना जरूरी है।

5. एसबीआई कंजर्वेटिव हाइब्रिड फंड

इस श्रेणी के फंड का बड़ा हिस्सा ऋण साधनों में और कुछ हिस्सा शेयरों में लगाया जाता है। इससे निवेशक को दोनों परिसंपत्ति श्रेणियों में भागीदारी मिलती है, लेकिन ब्याज दरों और शेयर बाजार में उतार-चढ़ाव का असर भी पड़ सकता है। इसे चुनने से पहले निवेश अवधि और जोखिम क्षमता का आकलन करें।

एफडी या म्यूचुअल फंड, क्या चुनें?

यदि आपको निश्चित ब्याज दर और तय अवधि में रकम की जरूरत है, तो बैंक एफडी आपकी जरूरत के अधिक अनुकूल हो सकती है। पात्र बैंक जमा पर डीआईसीजीसी के नियमों के तहत एक जमाकर्ता को एक बैंक में समान अधिकार और क्षमता में रखे मूलधन तथा ब्याज को मिलाकर अधिकतम पांच लाख रुपये तक जमा बीमा सुरक्षा मिलती है। दूसरी ओर, म्यूचुअल फंड में बेहतर रिटर्न की संभावना के साथ नुकसान का जोखिम भी रहता है।

त्योहार पर ऑफर देखकर न ललचाएं वरना बढ़ सकता है ईएमआई का बोझ

नो-कॉस्ट ईएमआई में ब्याज नहीं देने का दावा कर रहे बैंक

लेकिन छूट छोड़ने और अतिरिक्त शुल्क चुकाने से महंगी पड़ सकती है खरीदारी

मोबाइल, टीवी, फ्रिज से लेकर लैपटॉप तक हर सामान पर छूट और आसान किस्तों का लालच

बिजनेस डेस्क

त्योहारी सीजन में ऑनलाइन और ऑफलाइन बाजार आकर्षक ऑफरों से भरे हैं। मोबाइल, टीवी, फ्रिज से लेकर लैपटॉप तक, हर सामान पर छूट और आसान किस्तों का लालच दिया जा रहा है। इनमें नो-कॉस्ट ईएमआई का ऑफर खास तौर पर ग्राहकों को आकर्षित करता है। एकमुश्त रकम खर्च किए बिना सामान घर लाने और ब्याज नहीं देने का दावा पहली नजर में फायदे का सौदा लगता है। लेकिन सावधान! केवल कम मासिक किस्त देखकर खरीदारी का फैसला करना जेब पर भारी पड़ सकता है। कई बार नो-कॉस्ट ईएमआई के चक्कर में ग्राहक को नकद खरीदारी पर मिलने वाली छूट छोड़नी पड़ती है या प्रोसेसिंग फीस और अन्य शुल्क चुकाने पड़ते हैं। ऐसे में त्योहार की खरीदारी से पहले ऑफर की चमक के बजाय उसकी वास्तविक लागत समझना जरूरी है।

नो-कॉस्ट ईएमआई का गणित?

नो-कॉस्ट ईएमआई में ग्राहक सामान की कीमत एक साथ चुकाने के बजाय तय अवधि में मासिक किस्तों के जरिए भुगतान करता है। सामान्य ईएमआई में मूल रकम के साथ ब्याज भी देना होता है, जबकि नो-कॉस्ट ईएमआई में ब्याज का खर्च किसी दूसरे तरीके से समायोजित किया जाता है। कई ऑफरों में बैंक या वित्तीय संस्थान के ब्याज की भरपाई विक्रेता या कंपनी की ओर से की जाती है। कुछ मामलों में इसके बदले ग्राहक को नकद खरीदारी पर मिलने वाली छूट नहीं मिलती। यानी ब्याज शून्य होने का दावा जरूरी नहीं कि खरीदारी को सबसे सस्ता बना दे। मान लीजिए, किसी मोबाइल की कीमत 30,000 रुपये है और नकद भुगतान पर 3,000 रुपये की छूट मिल रही है। ऐसे में मोबाइल 27,000 रुपये में खरीदा जा सकता है। वहीं, नो-कॉस्ट ईएमआई में यदि ग्राहक को यह छूट नहीं मिलती और उसे 30,000 रुपये किस्तों में चुकाने पड़ते हैं, तो बिना ब्याज के भुगतान करने के बावजूद वह 3,000 रुपये अधिक खर्च करेगा। इसके अलावा प्रोसेसिंग फीस या अन्य लागू शुल्क भी कुल लागत बढ़ा सकते हैं। इसलिए फैसला केवल ईएमआई की रकम देखकर नहीं, बल्कि दोनों विकल्पों की कुल कीमत की तुलना करके करना चाहिए।



खरीदारी से पहले इन बातों पर दें ध्यान

- **नकद कीमत से तुलना करें:** पता करें कि बिना ईएमआई के सामान कितने में मिल रहा है और किस्तों में लेने पर कुल भुगतान कितना होगा।
- **छूट का हिसाब लगाएं:** जांचें कि नो-कॉस्ट ईएमआई चुनने पर तत्काल छूट, कैशबैक या बैंक ऑफर का लाभ तो नहीं छूट रहा।
- **अतिरिक्त शुल्क देखें:** प्रोसेसिंग फीस, उस पर लागू कर और अन्य शुल्क जोड़कर वास्तविक लागत निकालें।
- **किस्त चुकाने की क्षमता परखें:** पहले से चल रहे कर्ज और ईएमआई के साथ नई किस्त जोड़कर देखें कि मासिक बजट पर कितना असर पड़ेगा।
- **देर से भुगतान की शर्तें पढ़ें:** किस्त चूकने पर लगने वाले शुल्क, ब्याज और अन्य नियमों की जानकारी पहले ही लें।
- **जरूरत को प्राथमिकता दें:** केवल त्योहार की छूट या सीमित समय के ऑफर के दबाव में गैरजरूरी सामान न खरीदें।

बचत को किस्तों से बचाएं

- त्योहारी खरीदारी के लिए सबसे बेहतर रणनीति बजट तय करके चलना है। पहले जरूरी सामान की सूची बनाएं, फिर अलग-अलग विक्रेताओं की कीमतों और भुगतान विकल्पों की तुलना करें। यदि एकमुश्त भुगतान के बाद आपातकालीन बचत प्रभावित होती है, तो उचित शर्तों वाली ईएमआई पर विचार किया जा सकता है। लेकिन इसके लिए यह सुनिश्चित करना जरूरी है कि आने वाले महीनों की आय से किस्तें आसानी से चुकाई जा सकें।
- नो-कॉस्ट ईएमआई का असली फायदा तभी है, जब वह नकदी का बेहतर प्रबंधन करे, न कि भविष्य की आय पर अनावश्यक बोझ डाले। त्योहार की खुशियां कुछ दिनों की होती हैं, लेकिन ईएमआई कई महीनों तक चल सकती है। इसलिए ऑफर देखकर नहीं, जरूरत, कुल लागत और अपनी भुगतान क्षमता देखकर खरीदारी करें।

कब फायदेमंद यह विकल्प

- नो-कॉस्ट ईएमआई हर स्थिति में नुकसान का सौदा नहीं है। यदि किसी जरूरी उपकरण की तत्काल आवश्यकता है और एकमुश्त भुगतान करने से घर का बजट बिगड़ सकता है, तो किस्तों में भुगतान उपयोगी विकल्प बन सकता है। इससे बचत की पूरी रकम एक साथ खर्च करने की जरूरत नहीं पड़ती और उपलब्ध नकदी का इस्तेमाल दूसरी जरूरी जरूरतों के लिए किया जा सकता है। बशर्ते किस्तों पर खरीदारी की कुल लागत नकद कीमत के मुकाबले उचित हो और मासिक किस्त आसानी से चुकाई जा सके।
- हालांकि, केवल इसलिए महंगा मोबाइल, बड़ा टीवी या नया लैपटॉप खरीदना उचित नहीं है कि उसकी किस्त कम दिखाई दे रही है। यदि सामान की जरूरत नहीं है या मौजूदा उपकरण ठीक काम कर रहा है, तो केवल ऑफर के आकर्षण में खरीदारी करना खर्च बढ़ाने जैसा है।

घर का बजट न बिगड़ने दें

त्योहार की खरीदारी का असली फायदा तभी है, जब उससे घर का बजट न बिगड़े। नो-कॉस्ट ईएमआई का इस्तेमाल वित्तीय सुविधा के रूप में करें, अतिरिक्त खर्च करने के बहाने के तौर पर नहीं। खरीदारी से पहले यह तय करना जरूरी है कि सामान अभी लेना कितना आवश्यक है और उसके लिए भविष्य की कितनी आय खर्च करनी पड़ेगी। यदि किस्त चुकाने के बाद बचत, जरूरी खर्चों या आपातकालीन जरूरतों के लिए पर्याप्त पैसा नहीं बचेगा, तो खरीदारी टालना बेहतर है।एक और महत्वपूर्ण बात यह है कि कई छोटी-छोटी ईएमआई मिलकर महीने के बजट पर बड़ा दबाव बना सकती हैं। इसलिए हर नई किस्त को अलग-अलग देखने के बजाय अपनी कुल मासिक देनदारी का हिसाब लगाएं। क्रेडिट कार्ड से जुड़ी ईएमआई में भुगतान की शर्तें और बकाया राशि पर लगने वाले शुल्क भी समझें। केवल विज्ञापन में दिख रही किस्त की रकम के आधार पर निर्णय न लें। आर्थिक समझदारी का अर्थ हर सुविधा से दूर रहना नहीं, बल्कि सुविधा का सही समय पर इस्तेमाल करना है। यदि नो-कॉस्ट ईएमआई से नकदी बचती है और कुल लागत भी उचित रहती है, तो इसका लाभ उठाया जा सकता है। लेकिन त्योहार का उत्साह क्षणिक है, जबकि भुगतान की जिम्मेदारी लंबे समय तक रहती है। खरीदारी ऐसी करें, जिसका आनंद बाद में आर्थिक चिंता में न बदले।



एसआईपी पर भरोसा बरकरार

सितंबर में रिकॉर्ड 32,490 करोड़ का निवेश, इक्विटी फंड में भी निवेश बढ़ा

तैयारी

बिजनेस डेस्क

स्मॉलकैप और मिडकैप फंड में सबसे ज्यादा पैसा आया; बाजार की चाल से ज्यादा निवेश की अवधि और जोखिम क्षमता पर ध्यान देना जरूरी

शेयर बाजार में उतार-चढ़ाव और निवेश को लेकर अनिश्चितताओं के बीच म्यूचुअल फंड में नियमित निवेश करने वाले निवेशकों का भरोसा कायम है। सितंबर 2026 में सिस्टमैटिक इन्वेस्टमेंट प्लान (एसआईपी) के जरिए निवेश बढ़कर रिकॉर्ड 32,490 करोड़ रुपये पहुंच गया। एसोसिएशन ऑफ म्यूचुअल फंड्स इन इंडिया (एम्फी) के आंकड़ों के अनुसार, अगस्त में एसआईपी के जरिए 32,297 करोड़ रुपये का निवेश आया था। वहीं, इक्विटी म्यूचुअल फंड में शुद्ध निवेश भी अगस्त के 29,329 करोड़ रुपये से बढ़कर सितंबर में 38,307 करोड़ रुपये हो गया। यह करीब 30.6 प्रतिशत की मासिक वृद्धि है। आंकड़े बताते हैं कि निवेशक बाजार में पैसा लगाने के लिए नियमित निवेश का रास्ता अपना रहे हैं। हालांकि, निवेश प्रवाह बढ़ने का अर्थ यह नहीं है कि बाजार में तेजी निश्चित है या हर श्रेणी का फंड बेहतर रिटर्न देगा।

फ्लेक्सीकैप फंड में शुद्ध निवेश 32.5 प्रतिशत बढ़कर 6,702 करोड़ पहुंचा

निवेश लगातार बढ़ रहा

एसआईपी निवेश का सबसे बड़ा फायदा नियमितता है। इसमें निवेशक हर महीने एक तय रकम म्यूचुअल फंड में लगाते हैं। इससे बाजार की चाल देखकर बार-बार निवेश का फैसला करने की जरूरत कम होती है। सितंबर में एसआईपी निवेश पिछले साल के इसी महीने के 29,361 करोड़ रुपये के मुकाबले करीब 11 प्रतिशत बढ़ा है। यह वृद्धि बताती है कि अधिक निवेशक नियमित निवेश की आदत बनाए हुए हैं। एसआईपी के जरिए निवेश करने पर बाजार नीचे होने पर समान रकम से अधिक और बाजार ऊपर होने पर अपेक्षाकृत कम यूनिट खरीदी जाती हैं। इसे रुपये की औसत लागत का लाभ कहा जाता है। हालांकि, इससे नुकसान की आशंका समाप्त नहीं होती और न ही मुनाफे की गारंटी मिलती है।

ये फंड चमके

सितंबर में स्मॉलकैप फंड निवेशकों की पहली पसंद रहे। इस श्रेणी में शुद्ध निवेश अगस्त के 7,973 करोड़ रुपये से बढ़कर 9,039 करोड़ रुपये हो गया। वहीं, मिडकैप फंड में निवेश 6,989 करोड़ रुपये से बढ़कर 7,835 करोड़ रुपये पहुंच गया। दोनों श्रेणियों में निवेश बढ़ना बताता है कि निवेशकों की दिलचस्पी अपेक्षाकृत अधिक उतार-चढ़ाव वाली कंपनियों में बनी हुई है। स्मॉलकैप और मिडकैप कंपनियों में भविष्य में तेजी से बढ़ने की संभावना हो सकती है, लेकिन इनके शेयरों में गिरावट का जोखिम भी अधिक रहता है। बाजार में कमजोरी आने पर इन फंडों के मूल्य में तेज गिरावट संभव है। इसलिए केवल अधिक निवेश आने के आंकड़े देखकर इनमें पैसा लगाना उचित नहीं है। निवेशक को अपनी जोखिम सहने की क्षमता, वित्तीय लक्ष्य और निवेश की अवधि को ध्यान में रखना चाहिए।

फ्लेक्सीकैप व लार्जकैप में भी सुधार

फ्लेक्सीकैप फंड में सितंबर के दौरान शुद्ध निवेश 32.5 प्रतिशत बढ़कर 6,702 करोड़ रुपये पहुंच गया। अगस्त में यह आंकड़ा 5,059 करोड़ रुपये था। फ्लेक्सीकैप फंड के प्रबंधक बाजार की परिस्थितियों के अनुसार बड़ी, मध्यम और छोटी कंपनियों में निवेश का अनुपात बदल सकते हैं। इस वजह से इनका निवेश दायरा व्यापक होता है, हालांकि इनसे भी बाजार संबंधी जोखिम जुड़े रहते हैं। लार्जकैप फंड में भी निवेशकों की वापसी देखने को मिली। अगस्त में इन फंडों से 1,147 करोड़ रुपये की शुद्ध निकासी हुई थी, जबकि सितंबर में 859 करोड़ रुपये का शुद्ध निवेश आया। लार्जकैप फंड मुख्य रूप से बड़ी और स्थापित कंपनियों में निवेश करते हैं। इन्हें स्मॉलकैप फंडों की तुलना में अपेक्षाकृत कम जोखिम वाला माना जा सकता है, लेकिन बाजार गिरने पर इनमें भी नुकसान हो सकता है।

कुल संपत्ति में गिरावट

इक्विटी फंड में निवेश बढ़ने के बावजूद म्यूचुअल फंड उद्योग की कुल प्रबंधनाधीन संपत्ति सितंबर में घटकर 82.64 लाख करोड़ रुपये रह गई। अगस्त में यह 87.08 लाख करोड़ रुपये थी। इस तरह एक महीने में करीब 4.44 लाख करोड़ रुपये की गिरावट दर्ज की गई। इसका एक बड़ा कारण डेट म्यूचुअल फंड में भारी शुद्ध निकासी रही। सितंबर में डेट फंड से 1.83 लाख करोड़ रुपये निकाले गए, जबकि अगस्त में इनमें 8,127 करोड़ रुपये का शुद्ध निवेश आया था। इसके अलावा, बाजार के मूल्यांकन में बदलाव भी कुल संपत्ति के आंकड़े को प्रभावित कर सकता है। इसलिए म्यूचुअल फंड की कुल संपत्ति में गिरावट को केवल इक्विटी निवेशकों के भरोसे में कमी के रूप में देखना सही नहीं होगा।

जोखिम का आकलन जरूरी

सितंबर के आंकड़े नियमित निवेश के प्रति निवेशकों की बढ़ती रुचि दिखाते हैं, लेकिन निवेश का फैसला केवल लोकप्रियता के आधार पर नहीं होना चाहिए। सबसे पहले आपातकालीन जरूरतों के लिए पर्याप्त बचत रखें और महंगे कर्ज को प्राथमिकता से चुकाने की योजना बनाएं। इसके बाद अपने वित्तीय लक्ष्य के अनुसार निवेश की अवधि तय करें। लंबी अवधि के लक्ष्यों के लिए इक्विटी म्यूचुअल फंड उपयोगी हो सकते हैं, लेकिन फंड की श्रेणी चुनते समय जोखिम क्षमता का ध्यान रखना जरूरी है।

बाजार में उतार-चढ़ाव : ऐसे में बाजार की चाल का अनुमान लगाने के बजाय निवेश की रणनीति बनाएं

एकमुश्त रकम लगाने से बचें, 5 से 10 लाख रुपये निवेश करने से पहले तय करें लक्ष्य, समयावधि और जोखिम उठाने की क्षमता

बिजनेस डेस्क। शेयर बाजार में उतार-चढ़ाव के बीच निवेशकों के सामने सबसे बड़ी चुनौती यह तय करना है कि पैसा कब और कहां लगाया जाए। जिन लोगों के पास 5 से 10 लाख रुपये की एकमुश्त राशि है, वे अक्सर बाजार में गिरावट का इंतजार करते हैं या तेजी देखकर पूरी रकम निवेश कर देते हैं। दोनों ही स्थितियों में जल्दबाजी नुकसान का कारण बन सकती है। विशेषज्ञों की सलाह है कि बाजार की अगली चाल का अनुमान लगाने के बजाय निवेश की अवधि, जोखिम उठाने की क्षमता और विविधीकरण पर ध्यान देना चाहिए। पूरी रकम एक ही दिन लगाने के बजाय चरणबद्ध निवेश करना जोखिम संभालने में मदद कर सकता है। हालांकि, इससे नुकसान की आशंका पूरी तरह समाप्त नहीं होती। जानकारों का कहना है कि हालिया गिरावट के बाद लार्जकैप शेयरों का मूल्यांकन अपेक्षाकृत आकर्षक नजर आ रहा है। 12 अक्टूबर के आंकड़ों के मुताबिक, निफ्टी-50 का पिछला 12 महीने का मूल्य-आय अनुपात 19.1 गुना था, जबकि निफ्टी मिडकैप-150 का 28.1 गुना और निफ्टी स्मॉलकैप-250 का 34.4 गुना था।



स्मॉलकैप में जोखिम को न भूलें : लंबी अवधि के निवेशकों के लिए स्मॉलकैप कंपनियों में विकास की संभावनाएं हो सकती हैं। लेकिन इन शेयरों में उतार-चढ़ाव अधिक होता है और गिरावट के दौरान नुकसान बड़ा हो सकता है। इसलिए स्मॉलकैप में निवेश तभी उचित है, जब निवेशक कम से कम पांच वर्ष तक पैसा लगाए रखने की स्थिति में हों और बाजार की गिरावट के दौरान घबराकर निवेश निकालने से बच सकें।

विविधीकरण से संभालें जोखिम : फ्लेक्सीकैप फंड बाजार की परिस्थितियों के अनुसार बड़ी, मध्यम और छोटी कंपनियों में निवेश का अनुपात बदल सकते हैं। मल्टीकैप फंडों में इन तीनों श्रेणियों में कम से कम 25-25 प्रतिशत निवेश करना अनिवार्य है। वहीं, मल्टी-एसेट फंड इक्विटी, ऋण आधारित साधनों और सोने जैसी अलग-अलग परिसंपत्तियों में निवेश करते हैं। इससे किसी एक श्रेणी पर निर्भरता कम हो सकती है। हालांकि, हर फंड का जोखिम अलग होता है।

40:60 की रणनीति अपना सकते हैं : यदि आपके पास 10 लाख रुपये हैं, तो एक विकल्प के तहत 4 लाख रुपये शुरुआती चरण में और शेष 6 लाख रुपये अगले तीन से छह महीने में किस्तों में निवेश किए जा सकते हैं। पांच लाख रुपये की राशि के लिए यही अनुपात 2 लाख और 3 लाख रुपये होगा। इससे पूरी रकम बाजार के किसी एक स्तर पर लगाने का जोखिम कम हो सकता है। यह अनुपात हर निवेशक के लिए उपयुक्त हो, ऐसा जरूरी नहीं है; इसे लक्ष्य और जोखिम क्षमता के अनुसार तय करना चाहिए।

निवेश से पहले लागत, गुणवत्ता और ग्राहकों की जरूरत का करें आकलन

दिवाली से पहले शुरू करें ये कारोबार, कम पूंजी में कमाई का मौका

आइडिया

बिजनेस डेस्क

तोरण-सजावट, मिठाई, उपहारों की टोकरी और चॉकलेट की त्योहारों में बढ़ती मांग का उठाएं लाभ



त्योहारों का मौसम छोटे कारोबारियों और अपना काम शुरू करने की योजना बना रहे लोगों के लिए अतिरिक्त कमाई का अवसर लेकर आता है। दिवाली पर घरों की सजावट से लेकर मिठाई, उपहार और चॉकलेट तक की खरीदारी बढ़ जाती है। इस साल 8 नवंबर को दिवाली मनाई जाएगी। ऐसे में तैयारी के लिए सीमित समय बचा है। इच्छुक लोग अपनी पूंजी और उपलब्ध संसाधनों के अनुसार छोटा कारोबार शुरू कर सकते हैं। कुछ काम घर से भी किए जा सकते हैं, जिससे दुकान का किराया बच सकता है। हालांकि, केवल त्योहार में मांग बढ़ने के अनुमान के आधार पर निवेश करना सही नहीं है। पहले स्थानीय बाजार, संभावित ग्राहकों, सामान की लागत और बिक्री की योजना समझना जरूरी है।

तोरण और सजावटी सामान का कारोबार

दिवाली पर घरों और दुकानों को सजाने के लिए तोरण, बंदनवार, कृत्रिम फूल, रंगोली सामग्री, दीये, लाइटें और सजावटी वस्तुओं की खरीदारी होती है। कम पूंजी में इस कारोबार की शुरुआत सीमित उत्पादों से की जा सकती है। स्थानीय थोक बाजार से सामान खरीदकर घर, छोटी दुकान या इंटरनेट के माध्यम से बिक्री का विकल्प अपनाया जा सकता है। इस कारोबार में अलग-अलग बजट के उत्पाद रखना उपयोगी है। पारंपरिक सजावट के साथ आधुनिक डिजाइन और दोबारा इस्तेमाल किए जा सकने वाले उत्पाद भी ग्राहकों को आकर्षित कर सकते हैं। दिवाली के बाद क्रिसमस और नए साल की सजावट से संबंधित सामान बेचने की योजना भी बनाई जा सकती है। हालांकि, बचा हुआ मौसमी स्टॉक अगली बिक्री तक पूंजी फंसा सकता है, इसलिए जरूरत से ज्यादा सामान खरीदने से बचें।

मिठाई का काम

दिवाली पर मिठाइयों की मांग बढ़ने से यह कारोबार कमाई का अवसर दे सकता है। जिन लोगों को मिठाई बनाने का अनुभव है, वे सीमित मात्रा से शुरुआत कर सकते हैं। अन्य लोग किसी भरोसेमंद निर्माता से सामान लेकर बिक्री का विकल्प तलाश सकते हैं। पारंपरिक मिठाइयों के साथ छोटे पैक और उपहार पैक भी रखे जा सकते हैं। स्वास्थ्य के प्रति जागरूक ग्राहकों के लिए कम चीनी या बिना अतिरिक्त चीनी वाले उत्पादों की मांग का आकलन किया जा सकता है। हालांकि, ऐसे उत्पादों पर स्पष्ट सामग्री और पोषण संबंधी जानकारी देना जरूरी है। मिठाई जल्दी खराब हो सकती है, इसलिए ताजगी, भंडारण, स्वच्छता और समय पर आपूर्ति का ध्यान रखें। खाद्य कारोबार शुरू करने से पहले लागू खाद्य सुरक्षा नियमों और एफएसएसएआई पंजीकरण या लाइसेंस की जरूरत की जानकारी अवश्य लें।

उपहारों की टोकरी बनाकर बेचें

दिवाली पर परिवारों, मित्रों और कारोबारी सहयोगियों को उपहार देने की परंपरा है। इसका लाभ उठाकर सूखे मेवे, सजावटी सामान, उपयोगी घरेलू वस्तुओं और अन्य उत्पादों की आकर्षक उपहार टोकरी तैयार की जा सकती है। ग्राहक के बजट के अनुसार छोटे, मध्यम और प्रीमियम पैक बनाए जा सकते हैं। इस कारोबार की खासियत यह है कि शुरुआत में बहुत अधिक स्टॉक रखना जरूरी नहीं। पहले नमूने तैयार करके ग्राहकों से ऑर्डर लिए जा सकते हैं। स्थानीय दुकानों, कार्यालयों और परिचित कारोबारियों से संपर्क करना भी उपयोगी हो सकता है। पैकिंग, उत्पादों की गुणवत्ता और समय पर आपूर्ति पर विशेष ध्यान दें। हर टोकरी की लागत में सामान, पैकिंग, परिवहन और अपने श्रम को शामिल करके ही कीमत तय करें।

घर से चॉकलेट बनाकर बेचें

हस्तनिर्मित चॉकलेट, उपहार पैक और आकर्षक पैकेजिंग वाले उत्पाद त्योहारों पर उपहार के विकल्प बन सकते हैं। चॉकलेट बनाने का कौशल रखने वाले लोग छोटे बैच से शुरुआत कर सकते हैं। स्थानीय ग्राहकों, परिचितों और इंटरनेट आधारित माध्यमों से ऑर्डर जुटाए जा सकते हैं। इस कारोबार में कच्चे माल की गुणवत्ता, स्वाद, पैकिंग और भंडारण महत्वपूर्ण हैं। गर्म मौसम या अनुचित भंडारण से चॉकलेट की गुणवत्ता प्रभावित हो सकती है। इसलिए उत्पादन क्षमता के अनुसार ही ऑर्डर लें और समय पर आपूर्ति सुनिश्चित करें। बड़े निवेश से पहले कुछ नमूने बनाकर ग्राहकों की प्रतिक्रिया लेना बेहतर होगा।

निवेश से पहले बनाएं खर्च का हिसाब

इन चारों कारोबारों में शुरुआती लागत उत्पादों की संख्या, गुणवत्ता, उपकरण, पैकिंग और बिक्री के माध्यम पर निर्भर करेगी। शुरुआत छोटी रखकर मांग के अनुसार विस्तार करना जोखिम सीमित कर सकता है। संभावित बिक्री को निश्चित मुनाफा न मानें। सामान की लागत के साथ परिवहन, बिजली, पैकिंग, खराब होने वाले उत्पाद और बिना बिके स्टॉक का खर्च भी जोड़ें। त्योहारों में कारोबार का अवसर जरूर है, लेकिन कमाई की गारंटी नहीं। ग्राहकों की जरूरत समझकर, गुणवत्ता बनाए रखकर और पूंजी का हिसाब रखते हुए शुरुआत की जाए तो छोटा मौसमी कारोबार आगे चलकर नियमित आय का जरिया भी बन सकता है।

खबर संक्षेप



सोनीपत। निरीक्षण के दौरान बंदियों से जानकारी लेते हुए जिला एवं सत्र न्यायाधीश। फोटो : हरिभूमि

जिला कारागार का किया औचक निरीक्षण

सोनीपत। जिला एवं सत्र न्यायाधीश एवं जिला विधिक सेवाएं प्राधिकरण के चेयरपर्सन जगजीत सिंह ने मुख्य न्यायिक दंडाधिकारी एवं प्राधिकरण के सचिव प्रचेता सिंह के साथ शनिवार को जिला कारागार, का निरीक्षण किया। अधिकारियों ने बंदियों से बातचीत कर समस्याओं, आवश्यकताओं और मुकदमों से संबंधित जानकारी प्राप्त की। निरीक्षण के दौरान अधिकारियों ने बंदियों से उनके मामलों की वर्तमान स्थिति के बारे में पूछा।



गन्नौर। स्कूल में पौधों सहित गमले भेंट करते क्लब के पदाधिकारी।

लायंस क्लब ने स्कूल को पौधों सहित 100 गमले भेंट किए

गन्नौर। लायंस क्लब गन्नौर गौरव द्वारा पर्यावरण संरक्षण को बढ़ावा देने के लिए नगर पालिका रोड स्थित राजकीय माडल संस्कृति वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय को पौधों सहित 100 गमले भेंट किए गए। क्लब अध्यक्ष लायन विक्रांत हांडा ने कहा कि पर्यावरण संरक्षण आज के समय की आवश्यकता है। क्लब की ओर से भविष्य में भी जनहित और पर्यावरण संरक्षण से जुड़े सेवा प्रकल्प जारी रखे जाएंगे। विद्यालय के प्रधानाचार्य जगबीर ने क्लब के इस प्रयास की सराहना की।



सोनीपत। शिविर के दौरान मौजूद विभिन्न संस्थाओं के पदाधिकारी एवं अन्य। फोटो : हरिभूमि

शिविर में 107 मरीजों का स्वास्थ्य जांचा

सोनीपत। सेफ इंडिया फाउंडेशन सहित विभिन्न सामाजिक संगठनों के संयुक्त तत्वावधान में ओमेक्स सिटी स्थित एक अस्पताल में 46वां मेगा स्वास्थ्य जांच एवं रक्तदान शिविर आयोजित किया गया। शिविर में 107 मरीजों की जांच की गई, जबकि पांच समाजसेवियों ने स्वेच्छा से रक्तदान किया। शिविर में सेफ इंडिया फाउंडेशन के प्रधान संजय सिंगला और चेयरमैन वाईके त्यागी ने बताया कि संस्था हर महीने के पहले रविवार और तीसरे शनिवार को शिविर लगाती है, ताकि जरूरतमंद लोगों को निशुल्क चिकित्सा सुविधा मिल सके।



गोहाना। बलराम लठवाल को नियुक्ति पत्र देते हुए जिलाध्यक्ष बिजेंद्र मलिक और शीतल आर्य। फोटो : हरिभूमि

बलराम लठवाल मुंडलना मंडल के महामंत्री नियुक्त

गोहाना। भाजपा की जिला संगठनात्मक बैठक में बलराम लठवाल को मुंडलना मंडल का महामंत्री नियुक्त किया गया। भाजपा जिला गोहाना के अध्यक्ष बिजेन्द्र मलिक एवं मुंडलाना मंडल अध्यक्ष एडवोकेट शीतल आर्य ने उन्हें नियुक्ति पत्र सौंपा और विश्वास जताया कि वे पार्टी की नीतियों एवं जनकल्याणकारी विचारधारा को जन-जन तक पहुंचाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएंगे। मंडल अध्यक्ष शीतल आर्य ने कहा कि भाजपा द्वारा अपने संगठन की मजबूती के लिए पार्टी को समर्पित कार्यकर्ताओं को जिम्मेदारी सौंपी जाती है। उन्होंने आशा व्यक्त की कि बलराम लठवाल अपनी मेहनत, निष्ठा और संगठनात्मक क्षमता से पार्टी को नई मजबूती प्रदान करेंगे। प्रदेश सचिव विकास दहिया, पूर्व मंडल अध्यक्ष आजाद सरपंच, मीडिया प्रभारी अमरजीत सिंह आदि मौजूद थे।

रामलीला मंचन : छल-कपट कर सीता का हरण कर ले गया रावण

वृंदावन से आए कलाकारों ने रामायण के साथ श्रवण कुमार के प्रसंग को भी जीवंत किया







सोनीपत। कामी रोड स्थित रामलीला मैदान में रामलीला का मंचन करते वृंदावन के कलाकार तथा सोनीपत रामलीला मैदान में श्रवण कुमार के प्रसंग का मंचन करते कलाकार और सोनीपत रामलीला मैदान में रामलीला मंचन के दौरान वीडियो बनाते दर्शक। फोटो :हरिभूमि

- श्री रामलीला सभा और श्री ठाकुर द्वारा पंचायती मंदिर सेवा समिति की ओर से कामी रोड स्थित रामलीला मैदान में मंचन का रहा सातवां दिन

हरिभूमि न्यूज ⏭ सोनीपत

श्री रामलीला सभा और श्री ठाकुरद्वारा पंचायती मंदिर सेवा समिति की ओर से कामी रोड स्थित रामलीला मैदान में आयोजित रामलीला मंचन के सातवें दिन खरदूषण वध, सीता हरण, शबरी से भेंट व सुग्रीव मैत्री के प्रसंगों का मंचन किया गया। वृंदावन से आए कलाकारों ने अपने अभिनय से रामायण के साथ श्रवण कुमार के प्रसंग को भी जीवंत किया। मुख्य अतिथि के रूप में जयकंवार खत्री, अमित गुप्ता, सुशील गोयल, कपिल गोयल ने शिरकत की। कार्यक्रम की अध्यक्षता आनंद व अनिल कुच्छल और मंच संचालन गजेंद्र सलूजा ने किया। वृंदावन से आचार्य सौरभ द्विवेदी, टीवी फेम स्वामी शिवदयाल शर्मा और स्वामी गिरिराज प्रसाद शर्मा के मार्गदर्शन में कलाकारों ने दर्शाया कि शूर्पणखा अपनी कटी नाक व कान लेकर भाई खर-दूषण के पास जाती है। बदला लेने की चाह में दोनों भाई श्रीराम, लक्ष्मण के हाथों मारे जाते हैं। तब शूर्पणखा रावण के पास जाकर अपनी व्यथा सुनाती है। रावण गुस्से में आकार अपनी बहन की बेइज्जती का बदला लेने की ठान लेता है। मारीच की मदद से रावण साधु का वेश धरकर छल-कपट कर सीता का हरण कर लेता है। श्रीराम, लक्ष्मण सीता की खोज में वन-वन भटकते हैं, तो जटायु उन्हें रावण के सीता हरण का वृत्तांत सुनाकर अपने प्राण त्याग देते हैं। पंपा नदी किनारे मतंग ऋषि आश्रम में राम की भेंट शबरी से होती है। शबरी की भक्ति के भाव में श्रीराम उनके झूठे बेर भी खा जाते हैं। ऋषिमूक पर्वत पर हनुमान जी से मुलाकात के बाद श्रीराम, लक्ष्मण सुग्रीव से मुलाकात करते हैं। दोनों की मित्रता के बाद श्रीराम सुग्रीव को राजपाठ दिलाने का वचन देकर बाली का वध करते हैं। इस मौके पर महेंद्र मंगला, राजकुमार गोयल, अमित शौनक, प्रवीन गोयल, अमित कुच्छल, महेंद्र वर्मा, राहुल अग्रवाल और अनिल जैन सहित संस्थाओं के अन्य सदस्य मौजूद रहे।

सोनीपत। ज्ञान गंगा ग्लोबल स्कूल में इंटर हाउस गर्ल्स बैडमिंटन चैंपियनशिप जीतने के बाद पैंथर हाउस की खिलाड़ी प्राचार्या गीता चोपड़ा और स्पोर्ट्स इंचार्ज संजीत के साथ।

तनीषा और मुक्ता के दमदार प्रदर्शन से पैंथर हाउस बना बैडमिंटन चैंपियन

सोनीपत। ज्ञान गंगा ग्लोबल स्कूल (जी-3) में आयोजित इंटर हाउस गर्ल्स बैडमिंटन चैंपियनशिप में पैंथर हाउस की खिलाड़ियों ने शानदार खेल का प्रदर्शन करते हुए खिताब अपने नाम किया। रोमांचक फाइनल मुकाबले में पैंथर हाउस ने जगुआर हाउस को 2-1 से हराकर चैंपियन बनने का गौरव हासिल किया। तनीषा और मुक्ता ने एकल मुकाबलों में शानदार जीत दर्ज कर टीम की खिताबी सफलता में अहम भूमिका निभाई। विद्यालय के चेयरमैन सुधीर जैन, डायरेक्टर ध्रुव जैन एवं प्राचार्या गीता चोपड़ा ने इस मौके पर खिलाड़ियों का उत्साहवर्धन किया। फाइनल के पहले एकल मुकाबले में पैंथर हाउस की तनीषा ने जगुआर हाउस की दीक्षा को 11-7 से हराकर अपनी टीम को बढ़त दिलाई। इसके बाद युगल मुकाबले में जगुआर हाउस की वनिशा व दीपांशी की जोड़ी ने कड़े संघर्ष के बाद पैंथर हाउस की रिया व इशिका को 11-10 से पराजित कर स्कोर 1-1 से बराबर कर दिया।

- आठ साल के अनुभव के मानक पर चर्चा
- कुलपति ने अगस्त में खेल विभाग के प्रधान सचिव को भेजा था पत्र, सेवा रिकॉर्ड के आधार पर अब सरकार की कार्रवाई पर टिकी नजर

स्पोर्ट्स यूनिवर्सिटी के रजिस्ट्रार की नियुक्ति पर उठे सवाल

हरिभूमि न्यूज ⏭ सोनीपत

स्पोर्ट्स यूनिवर्सिटी ऑफ हरियाणा में रजिस्ट्रार की नियुक्ति को लेकर निर्धारित प्रशासनिक अनुभव के मानकों पर सवाल उठ रहे हैं। विश्वविद्यालय के कुलपति की ओर से हरियाणा सरकार के खेल विभाग के प्रधान सचिव को भेजा गया पत्र सामने आने के बाद मामला चर्चा में आया है। पत्र में रजिस्ट्रार पद के लिए जरूरी अनुभव और संबंधित अधिकारी के सेवा रिकॉर्ड का उल्लेख किया गया है। अब इस मामले में खेल विभाग की ओर से होने वाली कार्रवाई पर नजर है। कुलपति की ओर से 4 अगस्त को भेजे गए पत्र में उल्लेखित पात्रता मानदंडों के अनुसार रजिस्ट्रार पद के लिए 15 वर्ष का प्रशासनिक अनुभव आवश्यक है। इसमें कम से कम आठ वर्ष डिप्टी रजिस्ट्रार या समकक्ष पद पर कार्य करने का अनुभव शामिल है। पत्र में दिए गए सेवा रिकॉर्ड के अनुसार, जसविंदर सिंह ने 13 मई 2021 को नेशनल लॉ यूनिवर्सिटी में डिप्टी रजिस्ट्रार का पद संभाला था। इसके बाद 31 मई 2024 को वह प्रतिनियुक्ति पर स्पोर्ट्स यूनिवर्सिटी ऑफ हरियाणा में डिप्टी रजिस्ट्रार बने। 21 जनवरी 2025 को उन्हें विश्वविद्यालय का रजिस्ट्रार नियुक्त किया गया।

सरकार की कार्रवाई का इंतजार

कुलपति ने पत्र के माध्यम से संबंधित सेवा रिकॉर्ड और दस्तावेज विभाग को उपलब्ध कराए थे। अब यह देखना होगा कि खेल विभाग उपलब्ध रिकॉर्ड और निर्धारित मानकों के आधार पर क्या कदम उठाता है।

कुलपति बोले, नया पत्र नहीं लिखा

स्पोर्ट्स यूनिवर्सिटी के कुलपति अशोक कुमार ने बताया कि उन्होंने अगस्त में विभाग के आदेश पर पत्र लिखा था। इसके बाद उनकी ओर से कोई नया पत्र नहीं लिखा गया है।

रजिस्ट्रार ने नियुक्ति को बताया नियमानुसार

रजिस्ट्रार जसविंदर सिंह ने कहा कि विश्वविद्यालय में प्रथम कुलपति और प्रथम रजिस्ट्रार की नियुक्ति सरकार की ओर से की गई थी। उन्होंने कहा कि विश्वविद्यालय में सरकार के आदेशों के अनुरूप ही कार्य किया जा रहा है।

मां दुर्गा के नौ स्वरूपों के महत्व से परिचित करवाया

सोनीपत। गेटवे इंटरनेशनल स्कूल में कक्षा पहली और दूसरी के विद्यार्थियों ने दादा-दादी एवं नाना-नानी के सम्मान में 'आशीर्वाद' कार्यक्रम आयोजित किया। इसका उद्देश्य बच्चों को भारतीय संस्कृति, रामचरितमानस की शिक्षाओं और मां दुर्गा के नौ स्वरूपों के महत्व से परिचित कराने के साथ बड़ों के प्रति सम्मान की भावना विकसित करना रहा। कार्यक्रम का शुभारंभ दादा-दादी एवं नाना-नानी ने दीप प्रज्वलित कर किया। मुख्य अतिथि विधायक निखिल मदान के माता-पिता अनीता मदान और राजू मदान तथा जुगल ज्योति उपस्थित रहे। गेटवे शिक्षण संस्थान के चेयरमैन हरि प्रकाश मंगला, प्रेसिडेंट अंजू अग्रवाल, मंजू मंगला, एग्जीक्यूटिव डायरेक्टर राहुल मंगला तथा विशिष्ट अतिथि सुभाष मंगला और रीता गुप्ता ने भी कार्यक्रम की शोभा बढ़ाई। विद्यार्थियों ने समूह गान, सांस्कृतिक प्रस्तुतियों और लघु नाटिका के माध्यम से रामचरितमानस के आदर्शों तथा मां दुर्गा के नौ स्वरूपों की महिमा प्रस्तुत की।





दशहरा उत्सवः बच्चों ने धरा राम सीता, लक्ष्मण, हनुमान का रूप

सोनीपत। भगत सिंह कॉलोनी स्थित होली फेथ स्कूल में शनिवार को दशहरा उत्सव हर्षोल्लास के साथ मनाया गया। कार्यक्रम की शुरुआत छात्रों ने भक्तिभाव के साथ सामूहिक हनुमान चालीसा पाठ से की। जिससे माहौल भक्तिमय हो उठा। उत्सव के दौरान विद्यार्थियों के लिए विभिन्न प्रतियोगिताएं आयोजित की गई। छात्रों ने धनुष बाण प्रतियोगिता में अपने हुनर को दिखाते कला व रचनात्मकता का प्रदर्शन किया। बच्चों ने रावण के आकर्षक मुखौटे व पुतले भी बनाए। वहीं छात्राओं ने स्कूल परिसर में सुंदर व रंग-बिरंगी रंगोलियां बनाई। कार्यक्रम का मुख्य आकर्षण नन्हें-मुन्ने बच्चों की फैंसी ड्रेस प्रतियोगिता रही। जिसमें छोटे बच्चों ने राम, सीता, लक्ष्मण, हनुमान का स्वरूप धारण किया।

डांडिया उत्सव के तहत वेशभूषा प्रतियोगिता का आयोजन

सोनीपत। नवरात्र के अवसर पर जीवीएम संस्थान समूह में डांडिया उत्सव के अंतर्गत वेशभूषा प्रतियोगिता आयोजित की गई। इसमें जीवीएम गर्ल्स कॉलेज, जीवीएम आईटीएम, जीवीएम फार्मेसी और जीवीएम कॉलेज ऑफ एजुकेशन के विद्यार्थियों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। संस्थान समूह के प्रधान डॉ. ओपी परुथी और पूर्व प्राचार्या डॉ. कुंतला गाखड़ ने सभी को नवरात्र की बधाई दी। प्रतियोगिता का संयोजन अर्चना खुराना ने किया। प्राचार्या डॉ. मंजुला स्पाह ने कहा कि विद्यार्थियों ने पारंपरिक वेशभूषा के माध्यम से भारतीय संस्कृति और त्योहारों की समृद्ध विरासत प्रस्तुत की। निर्णायक मंडल में कमलेश चोपड़ा, रोजी चोपड़ा और संगीता शर्मा शामिल रहीं। विजेताओं को डॉ. मंजुला स्पाह, डॉ. मंजू पापरेजा और डॉ. ऋतु कटारिया की उपस्थिति में पुरस्कार दिए गए। जीवीएम गर्ल्स कॉलेज से खुशी, कशिश, रेखा, दिव्यांशी, मानसी, अनुष्का, सुहानी और सलोनी विजेता रहीं।





श्रीमद्भागवत कथाः कृष्ण-सुदामा मिलन प्रसंग सुन श्रद्धालु भावुक

गन्नौर। श्रीमद्भागवत कथा केवल धार्मिक आयोजन नहीं, बल्कि समाज में प्रेम, भाईचारे और संस्कारों को मजबूत करने का माध्यम है। भगवान श्रीकृष्ण और सुदामा की मित्रता हमें सिखाती है कि रिश्तों में धन-दौलत नहीं, बल्कि सच्चे भाव और अपनापन मायने रखते हैं। यह बात विधायक देवेंद्र कादियान ने शनिवार को पांची रोड स्थित सिटीजन पार्क, गांधी नगर में आयोजित साप्ताहिक श्रीमद्भागवत कथा के छठे दिन कही। वह कार्यक्रम में मुख्य यजमान के रूप में शामिल हुए। कार्यक्रम में पहुंचने पर गोपाल सेवा संस्थान वृंदावन के पदाधिकारियों और स्थानीय लोगों ने विधायक का स्वागत किया। इसके बाद विधायक ने विधिवत कथा का शुभारंभ किया और व्यास पीठ की आरती उतारकर क्षेत्र की सुख-समृद्धि और शांति की कामना की। उन्होंने कथा का श्रवण करते हुए आयोजन समिति के प्रयासों की सराहना की।

प्रतियोगिता

साउथ पॉइंट ग्रुप ऑफ इंस्टीट्यूशंस के चेयरमैन दिलबाग सिंह खत्री ने दी बधाई

मानविक ने स्केटिंग में गोल्ड जीतकर राज्य स्तरीय प्रतियोगिता में बनाई जगह

डीएवी पुलिस पब्लिक स्कूल में स्केटिंग प्रतियोगिता हुई, मानविक साउथ पॉइंट स्कूल का दूसरी कक्षा का छात्र

हरिभूमि न्यूज ⏭ सोनीपत

खेल प्रतिभा किसी उम्र की मोहताज नहीं होती, इसे साबित कर दिखाया है साउथ पॉइंट पब्लिक स्कूल के होनहार छात्र मानविक ने। भारतीय रोलर स्केटिंग महासंघ (आरएसएफआई) द्वारा 16 अक्टूबर को डीएवी पुलिस पब्लिक स्कूल में आयोजित स्केटिंग प्रतियोगिता में कक्षा दूसरी, ट्यूलिप वर्ग के छात्र मानविक ने अपनी उत्कृष्ट खेल शैली का परिचय देते हुए स्वर्ण पदक हासिल किया है। साउथ पॉइंट ग्रुप ऑफ इंस्टीट्यूशंस के चेयरमैन दिलबाग सिंह खत्री ने बताया कि 6 से 8 वर्ष के आयु वर्ग की इनलाइन स्केटिंग स्पर्धा में भाग लेते हुए मानविक ने शुरुआत से ही अपनी गति और संतुलन पर बेहतरीन पकड़ बनाए रखी। प्रतियोगिता के कड़े मुकाबले में मानविक ने अपने सभी प्रतिद्वंद्वियों को पीछे छोड़ते हुए पहला स्थान प्राप्त किया और गोल्ड मेडल पर कब्जा जमाया। इस शानदार जीत के साथ ही मानविक का चयन आगामी राज्य स्तरीय स्केटिंग प्रतियोगिता के लिए किया गया है।



सोनीपत। साउथ पॉइंट पब्लिक स्कूल का छात्र मानविक सीईओ भावना कालरा व अन्य के साथ पदक दिखाते हुए। फोटो : हरिभूमि

विजेता खिलाड़ी का किया स्वागत

मानविक की इस स्वर्णिम उपलब्धि से न केवल उनके परिवार में खुशी का माहौल है, बल्कि पूरे साउथ पॉइंट ग्रुप ऑफ इंस्टीट्यूशंस में गर्व की लहर है। संस्थान परिसर में नन्हे विजेता खिलाड़ी का जोरदार स्वागत किया। एग्जीक्यूटिव चेयरमैन रोहित खत्री ने बताया कि आज के दौर में खेलों का महत्व पढ़ाई जितना ही है। वाइस चेयरपर्सन वर्तिका खत्री ने बताया कि मानविक ने स्केटिंग ट्रैक पर जिस गति और आत्मविश्वास के साथ पदक जीता है, वह अद्भुत है। सीईओ भावना कालरा ने कहा कि इस उपलब्धि का श्रेय मानविक के कठिन परिश्रम, उनके कोच के मार्गदर्शन और अभिभावकों के निरंतर सहयोग को जाता है। डायरेक्टर डॉ. ममता सचदेवा ने बताया कि राज्य स्तरीय प्रतियोगिता के लिए चयन होना मानविक के करियर की एक बड़ी शुरुआत है।



भगवान श्रीराम व सुग्रीव मित्रता प्रसंग का भावपूर्ण मंचन

गोहाना। गीता विद्या मंदिर, गोहाना में नवरात्रि के 7वें दिन विद्यार्थियों द्वारा रामकथा के अंतर्गत सुग्रीव मित्रता से लेकर कुंभकर्ण वध तक के प्रसंगों का भावपूर्ण प्रस्तुतिकरण किया गया। छात्रा शाखा में आश्वी व कशिश ने माता कालरात्रि से संबंधित कथा सुनाई व अपूर्वा ने सुंदर नृत्य प्रस्तुत किया तथा हनिष्का, खुशी, भावना व सिया ने मनमोहक भजन प्रस्तुत किया। शिशु वाटिका के मैया-बहनों ने कथा वाचन एवं अभिनय के माध्यम से इन प्रसंगों को जीवंत रूप प्रदान किया। कार्यक्रम में भगवान श्रीराम की मित्रता, वचनबद्धता, धर्मनिष्ठा और अधर्म पर धर्म की विजय का संदेश दिया गया। अध्यक्षता विद्यालय के प्राचार्य अश्विनी कुमार ने की। शिशु वाटिका के आचार्यों एवं मैया-बहनों ने कार्यक्रम के सफल आयोजन में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। इस आयोजन के माध्यम से विद्यार्थियों को रामायण के आदर्शों एवं नैतिक मूल्यों से जुड़ने की प्रेरणा मिली।



कल्पना चावला विद्यापीठ में नवमी व दशहरा पर्व मनाया

खरखौदा। कल्पना चावला विद्यापीठ में महानवमी-दशहरे का पर्व बड़े हर्षोल्लास, श्रद्धा और उत्साह के साथ मनाया। विद्यार्थियों ने विभिन्न सांस्कृतिक कार्यक्रमों में बढ़-चढ़कर भाग लिया। कार्यक्रम का शुभारंभ मां दुर्गा के नौ स्वरूपों की मनमोहक प्रस्तुति के साथ हुआ। विद्यार्थियों ने मां दुर्गा के नौ रूपों का सजीव चित्रण कर सभी को भक्तिमय वातावरण का अनुभव कराया। दशहरे के उपलक्ष में विद्यार्थियों द्वारा प्रस्तुत रामायण नाटिका कार्यक्रम का मुख्य आकर्षण रही। इस नाटिका के माध्यम से भगवान श्रीराम के आदर्शों, माता सीता के त्याग, लक्ष्मण की निष्ठा और हनुमान जी की भक्ति को प्रभावशाली ढंग से प्रस्तुत किया गया। प्राचार्य उषा वत्स ने कहा कि दशहरा केवल एक त्योहार नहीं, बल्कि जीवन में सत्य, धर्म और सदाचार की स्थापना का प्रतीक है। यह पर्व हमें याद दिलाता है कि अहंकार, अन्याय और बुराई चाहे कितनी भी शक्तिशाली क्यों न हों, अंततः सत्य और अच्छाई की ही विजय होती है।



अहंकार चाहे कितना भी बड़ा हो, अंत में सत्य की जीत

खरखौदा। दशहरा पर्व के उपलक्ष में हेरिटेज वर्ल्ड इंटरनेशनल स्कूल में भव्य कार्यक्रम का आयोजन किया। इस दौरान स्कूल के नन्हें-मुन्ने बच्चों ने भगवान राम, लक्ष्मण, सीता, हनुमान और रावण सहित रामायण के विभिन्न किरदारों का सजीव मंचन कर मन मोह लिया। बच्चों की वेशभूषा और अभिनय ने दशहरे के वास्तविक संदेश को जीवंत कर दिया। कार्यक्रम में बच्चों ने बुराई पर अच्छाई की जीत का संदेश देते हुए मर्यादा, सत्य और धर्म के मार्ग पर चलने की प्रेरणा दी। चेयरमैन अनीश ने कहा कि दशहरा हमें सिखाता है कि अहंकार चाहे कितना भी बड़ा क्यों न हो, अंत में जीत हमेशा सच्चाई और अच्छाई की होती है। बच्चों को ऐसे सांस्कृतिक कार्यक्रमों से हमारे संस्कार और परंपराएं सीखने को मिलती हैं।

विधायक ने मां चंडी काली माता मंदिर में लिया आशीर्वाद



सोनीपत। विधायक निखिल मदान ने शारदीय नवरात्र के पावन अवसर पर कामी रोड स्थित सिद्धपीठ मां चंडी काली माता मंदिर में पहुंचकर माता रानी का आशीर्वाद लिया। सोनीपतवासियों सहित समस्त देशवासियों के सुख, समृद्धि, उत्तम स्वास्थ्य और खुशहाल जीवन की कामना की। विधायक निखिल मदान ने कहा कि नवरात्र का पर्व भारतीय संस्कृति और सनातन परंपरा में विशेष महत्व रखता है। मां दुर्गा के नौ स्वरूपों की आराधना का यह पर्व शक्ति, भक्ति, संयम और सकारात्मक ऊर्जा का संदेश देता है।

महाकाली बड़ी मंदिर में उमड़ा श्रद्धा और आस्था का सैलाब



गन्नौर। नवरात्रों में सातवे दिन आश्विन शुक्ल सप्तमी को मां कालरात्रि की पूजा अर्चना के लिए महाकाली बड़ी मंदिर में श्रद्धा और आस्था का सैलाब उमड़। माता रानी के दर्शनों के लिए बड़ी संख्या में श्रद्धालु मंदिर पहुंचे और पूरे भक्तिभाव के साथ मां भगवती के चरणों में शीश नवाकर अपने परिवार की सुख-समृद्धि, खुशहाली और शांति की। मंदिर परिसर में जय माता दी के जयकारों से माहौल पूरी तरह भक्तिमय बना।चारों ओर भक्ति, विश्वास और उत्साह की अद्भुत झलक देखने को मिली।

पिंकी मलिक और महिला किसान अमिता सम्मानित



गोहाना। महिला किसान दिवस पर जींद स्थित प्रशिक्षण संस्थान में राज्यस्तरीय कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम में कृषि एवं किसान कल्याण विभाग गोहाना से सहायक तकनीकी प्रबंधक (एटीएम) पिंकी मलिक और व महिला किसान अमिता मलिक को सम्मानित किया गया। राज्यस्तरीय समारोह में हमेटी के निदेशक डॉ. बलजीत लाठर और डॉ. सुभाष द्वारा इन दोनों महिलाओं को सम्मानित किया। पिंकी मलिक ने महिला किसानों को प्राकृति खेती करने के लिए प्रेरित किया।

युवा नेतृत्व विकास कार्यशाला में 55 छात्राओं ने लिया भाग



सोनीपत। विवेकानंद केंद्र कन्याकुमारी की सोनीपत शाखा की ओर से हिंदू गर्ल्स कॉलेज, में युवा नेतृत्व विकास विषय पर कार्यशाला आयोजित की गई। इसमें कॉलेज की लगभग 55 छात्राओं ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। कार्यशाला का उद्देश्य छात्राओं में नेतृत्व क्षमता, आत्मविश्वास और अनुशासन जैसे गुणों का विकास करना रहा। कार्यक्रम में विवेकानंद केंद्र के वरिष्ठ कार्यकर्ता डॉ. सुधीर गर्ग, संजय भूटानी, प्रदीप, दीपांकर मदान, राहुल और अनिल चुघ विशेष रूप से उपस्थित रहे।

रोड के गड्ढों में दीये जलाकर देवेंद्र ने जताया विरोध



सोनीपत। दिल्ली रोड की बदहाल स्थिति के विरोध में सामाजिक कार्यकर्ता एवं लोकसेवक देवेंद्र गौतम ने अनोखे अंदाज में प्रदर्शन किया। मोदी के जन्मदिन समारोह के समापन अवसर पर गौतम ट्रक यूनियन के पास दिल्ली रोड पर बने गड्ढों के बीच पहुंचे। उन्होंने विकास के प्रतीकात्मक लिबास में गड्ढों के बीच बैठकर दीये जलाए और गुलाब की पंखुड़ियां डालकर सरकार व प्रशासन पर व्यंग्य किया।

खबर संक्षेप



64 लाख रुपये से होगा तालाब का सौंदर्यीकरण

खरखौदा। विधानसभा क्षेत्र के गांव लहराड़ा में मोहनदास मंदिर परिसर में तालाब के सौंदर्यीकरण एवं ट्रैक निर्माण कार्य का शिलान्यास विधायक पवन खरखौदा व मेयर राजीव जैन ने नारियल तोड़कर किया। जिस पर 64 लाख रुपये खर्च किए जाएंगे। विधायक पवन खरखौदा ने कहा कि ग्रामीणों द्वारा तालाब के सौंदर्यीकरण एवं ट्रैक निर्माण की मांग लंबे समय से की जा रही थी, जिसे नगर निगम के माध्यम से पूरा करवाया जा रहा है। उन्होंने वार्ड नंबर 17 की पार्षद सुनीता बोहरा और अन्य कार्यकर्ताओं के प्रयासों की सराहना की।

दशहरा महोत्सव में श्रीराम बनेंगे विधायक कादियान

गन्नौर। श्री राधे वेलफेयर ट्रस्ट द्वारा 20 अक्टूबर को गन्नौर में दशहरा महोत्सव मनाया जाएगा। दोपहर तीन बजे तारा मैरिज पैलेस से भव्य शोभायात्रा निकाली जाएगी, जो मुख्य बाजार से होते हुए बीएसटी स्थित आरपीएस खेल ग्राउंड पहुंचेगी। शाम 5:45 बजे रावण दहन होगा। महोत्सव में विधायक देवेंद्र कादियान भगवान श्रीराम और डा. मनोज कुमार रावण की भूमिका निभाएंगे।

निर्माण और रजिस्ट्रियों को लेकर प्रशासन की कार्रवाई पर सवाल

मुरथल रोड पर अवैध कॉलोनियों में निर्माण जारी, शिकायतों के बावजूद कार्रवाई नहीं

15 सितंबर और 8 अक्टूबर को अधिकारियों को दी थी शिकायत

हरिभूमि न्यूज ▶▶| सोनीपत

सोनीपत के मुरथल रोड पर अनधिकृत कॉलोनियों में कथित तौर पर धड़ल्ले से हो रहे निर्माण और रजिस्ट्रियों के मामले ने प्रशासन की कार्यप्रणाली पर सवाल खड़े कर दिए हैं। नियमों को ताक पर रखकर कॉलोनियां विकसित करने और उनमें निर्माण कार्य जारी रहने की शिकायत अधिकारियों तक पहुंचने के बावजूद कार्रवाई नहीं होने का आरोप लगाया गया है। अधिवक्ता सुधांशु ने इस संबंध में उपायुक्त और जिला नगर योजनाकार (डीटीपी) को लिखित शिकायत देकर अवैध निर्माण पर रोक लगाने की मांग की थी। शिकायतकर्ता का कहना है कि शिकायतों के साथ निर्माण कार्यों की तस्वीरें और संबंधित दस्तावेज भी सौंपे गए, लेकिन इसके बावजूद मौके पर गतिविधियां बंद नहीं हुईं।

अधिवक्ता सुधांशु के अनुसार, मुरथल रोड पर कथित रूप से विकसित की जा रही अनधिकृत कॉलोनियों का मामला प्रशासन के संज्ञान में लाया गया था। इस संबंध में पहली शिकायत 15 सितंबर 2026 को दी गई। इसके बाद 8 अक्टूबर 2026 को दोबारा अधिकारियों को लिखित शिकायत सौंपी गई। शिकायत के साथ तीन तस्वीरें भी साक्ष्य के तौर पर दी गईं, जिनके माध्यम से मौके पर चल रहे निर्माण कार्यों की जानकारी अधिकारियों तक पहुंचाने का प्रयास किया गया। शिकायतकर्ता का आरोप है कि बार-बार मामला उठाए जाने के बावजूद अब तक कोई ठोस कार्रवाई दिखाई नहीं दी है। ऐसे में सवाल उठ रहा है कि यदि संबंधित क्षेत्र में नियमों के विपरीत कॉलोनियां विकसित की जा रही हैं तो उन्हें रोकने के लिए जिम्मेदार विभागों की ओर से क्या कदम उठाए गए हैं।



मुरथल रोड पर अवैध कॉलोनियों में जारी निर्माण कार्य।

मामले की जांच की मांग

शिकायत में मुरथल रोड पर अनधिकृत कॉलोनियां काटने के साथ उनमें अवैध निर्माण और रजिस्ट्रियां कराए जाने के आरोप भी लगाए गए हैं। शिकायतकर्ता ने इस गतिविधि को एक प्रॉपर्टीज से जोड़ते हुए जांच की मांग की है। मामले में यह भी जांच का विषय है कि संबंधित जमीनों पर कॉलोनी विकसित करने के लिए आवश्यक अनुमति ली गई है या नहीं और जिन रजिस्ट्रियों पर सवाल उठाए जा रहे हैं, वे किन परिस्थितियों में हुई हैं।

कार्रवाई नहीं होने से उठ रहे सवाल

अनधिकृत कॉलोनियों का समय रहते नियमन और निर्माण पर रोक जरूरी है, क्योंकि ऐसी जगहों पर जमीन खरीदने वाले लोगों को भविष्य में मूलभूत सुविधाओं, स्वीकृत नक्शे और कानूनी स्थिति से जुड़ी परेशानियों का सामना करना पड़ सकता है। शिकायतकर्ता का दावा है कि अधिकारियों को तस्वीरों सहित जानकारी देने के बाद भी निर्माण कार्य जारी हैं।

जांच और आधिकारिक जवाब का इंतजार

मुरथल रोड पर कथित अनधिकृत कॉलोनियों का मामला अब इस सवाल पर केंद्रित है कि शिकायतों के बाद संबंधित विभागों ने क्या कार्रवाई की। उपायुक्त कार्यालय और जिला नगर योजनाकार की ओर से शिकायत पर की गई कार्रवाई, मौके के निरीक्षण और निर्माण की वैधता को लेकर आधिकारिक पक्ष सामने आने के बाद ही स्थिति स्पष्ट हो सकेगी।

न्यूज डायरी

6 नवंबर को होंगी भाजपा की जनसभाएं : बडौली

राई। हरियाणा सार्वजनिक उपक्रम ब्यूरो के अध्यक्ष एवं भाजपा के पूर्व प्रदेश अध्यक्ष मोहनलाल बडौली ने कहा कि आगामी 6 नवंबर को हरियाणा की सभी विधानसभा क्षेत्रों में भाजपा की जनसभाएं आयोजित की जाएंगी। इन जनसभाओं की तैयारियों को लेकर पार्टी स्तर पर कार्य किया जा रहा है। उन्होंने कार्यकर्ताओं से संगठन की मजबूती के लिए आपसी तालमेल के साथ सक्रिय भूमिका निभाने का आह्वान किया। मोहनलाल बडौली शनिवार को जिला भाजपा कार्यालय, सोनीपत में आयोजित संगठनात्मक बैठक में शामिल हुए। बडौली ने कहा कि भाजपा संगठन की सबसे बड़ी ताकत उसके समर्पित कार्यकर्ता हैं। बैठक के दौरान वर्चुअल माध्यम से भाजपा प्रदेश अध्यक्ष अर्चना गुप्ता और संगठन प्रदेश महामंत्री पवन राणा का मार्गदर्शन प्राप्त हुआ। इस अवसर पर जिला अध्यक्ष अशोक भारद्वाज, मेयर राजीव जैन, विधायक निखिल मदान सहित पार्टी के अनेक वरिष्ठ नेता और कार्यकर्ता मौजूद रहे।



मित्र वहीं जो गलत रास्ते पर न ले जाएं: दीपक

गोहाना। सच्चा मित्र वही होता है जो आपको गलत रास्ते पर जाने से रोके। आपकी कमियों को आइने की तरह साफ-साफ बताए ताकि आप खुद को गलत रास्ते पर जाने से रोक सकें और एक अच्छा इंसान बन सकें। युवाओं को यह प्रेरणा गोहाना-खरखौदा मार्ग स्थित मान इंटरनेशनल स्कूल के एमडी दीपक मान ने दी। वे शनिवार को विद्यार्थियों का मार्गदर्शन कर रहे थे। एमडी दीपक मान ने कहा कि जीवन में एक सच्च दोस्त दीपक के समान होता है। वह आपको जीवन में बुराइयों के अंधकार में डूबने से बचाता है और अच्छाई के प्रकाश की ओर ले जाता है। वह मुश्किल वक्त में आपके साथ खड़ा रहता है। एक अच्छे दोस्त की पहचान यही होती है कि अच्छे कार्यों में आपकी तारीफ करने के साथ-साथ गलतियां करने पर टोकता भी है। उदीपक मान ने कहा कि विद्यार्थी जीवन में बहुत सारे युवक हमारे जीवन में आते हैं।



कबीर, निशांत व बुलबुल का राज्यस्तर पर चयन

गोहाना। रोलर स्केटिंग फेडरेशन ऑफ इंडिया द्वारा आयोजित जिला स्तरीय चैंपियनशिप में जेकेआर पब्लिक स्कूल गोहाना के चार खिलाड़ियों ने 3 स्वर्ण सहित 4 पदक जीतकर अपनी खेल प्रतिभा का उत्कृष्ट प्रदर्शन किया है। इनमें से तीन खिलाड़ियों का चयन राज्यस्तरीय रोलर स्केटिंग चैंपियनशिप के किया गया है।जिला स्तरीय रोलर स्केटिंग चैंपियनशिप डीएवी पब्लिक स्कूल पुलिस लाइन सोनीपत में आयोजित की गई। चैंपियनशिप में 6 से 8 वर्ष आयु वर्ग में कबीर मलिक और 8 से 10 वर्ष आयु वर्ग में निशान्त मलिक ने प्रथम स्थान हासिल करके स्वर्ण पदक जबकि 10 से 15 वर्ष आयु वर्ग में बुलबुल मलिक ने प्रथम स्थान हासिल करके स्वर्ण पदक और साक्षी ने द्वितीय स्थान हासिल करके रजत पदक झटक लिया। इस उत्कृष्ट प्रदर्शन के आधार पर कबीर मलिक, निशान्त मलिक और बुलबुल मलिक का चयन राज्यस्तरीय रोलर स्केटिंग चैंपियनशिप के लिए कर लिया गया।



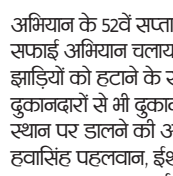
वायु प्रदूषण घटाने के लिए चलेगा अभियान

सोनीपत। शहर की स्वच्छता व्यवस्था बेहतर बनाने और वायु प्रदूषण कम करने के लिए नगर निगम की ओर से विशेष अभियान चलाया जाएगा। महापौर राजीव जैन ने बताया कि अभियान के तहत सड़कों के किनारे जमा मिट्टी और निर्माण एवं तोड़फोड़ से निकलने वाला मलबा हटाया जाएगा। साथ ही सड़कों के किनारे कच्चे हिस्सों पर टाइलें लगाई जाएंगी। स्वच्छ, सुंदर एवं स्वस्थ सोनीपत अभियान के 52वें सप्ताह में तिरंगा चौक से महाराजा सूरजमल चौक तक सफाई अभियान चलाया गया। इस दौरान सड़क किनारों पर उगी घास और झाड़ियों को हटाने के साथ जमा मिट्टी तथा डिवाइडर की सफाई की गई। दुकानदारों से भी दुकानों के आसपास सफाई रखने और कूड़ा निर्धारित स्थान पर डालने की अपील की गई। अभियान में पार्षद राजकुमार शर्मा, हवासिंह पहलवान, ईश्वर कौशिक, देवेश, विकास, श्री प्रकाश, आनंद वृद्धाश्रम, मुख्य सफाई निरीक्षक सितेंद्र दहिया, सफाई अधिकारी, कर्मचारी, स्वच्छता प्रहरी और स्थानीय निवासी शामिल रहे।



इशिता वशिष्ठ ने जीता अंतरराष्ट्रीय सम्मान

सोनीपत। मॉडल टाउन निवासी इशिता वशिष्ठ ने दक्षिण कोरिया में आयोजित 30वीं विश्व कोरियाई भाषण प्रतियोगिता में भारत का नाम रोशन किया। जवाहरलाल नेहरू विश्वविद्यालय, नई दिल्ली में कोरियाई साहित्य में एमए अंतिम वर्ष की छात्रा इशिता ने 8 अक्टूबर 2026 को योजू में आयोजित प्रतियोगिता में राष्ट्रीय असेंबली सदस्य पुरस्कार प्राप्त किया। प्रतियोगिता में 27 देशों के प्रतिभागियों ने हिस्सा लिया। वैश्विक स्तर पर शामिल 122 प्रतिभागियों के बीच इशिता भारत का प्रतिनिधित्व करने वाली एकमात्र प्रतिभागी रहीं। इशिता ने स्कूली शिक्षा होली चाइल्ड स्कूल, सोनीपत से पूरी की और दिल्ली विश्वविद्यालय से स्नातक की डिग्री हासिल की। इसके बाद उन्होंने कोरियाई भाषा में प्रमाणपत्र, डिप्लोमा और स्नातकोत्तर डिप्लोमा पाठ्यक्रम पूरे किए। कोरियाई साहित्य के प्रति रुचि के चलते उन्होंने जेएनयू में उच्च अध्ययन शुरू किया। अगस्त 2026 में उन्होंने सियोल में आयोजित अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन में शोधपत्र भी प्रस्तुत किया।



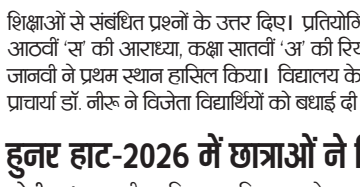
प्रश्नोत्तरी स्पर्धा में विद्यार्थियों ने दिखाया उत्साह

सोनीपत। जैन विद्या मंदिर सीनियर सेकेंडरी स्कूल, सोनीपत में दशहरा पर्व के उपलक्ष्य में कक्षा छठी से आठवीं तक के विद्यार्थियों के लिए अंतर-सदनीय रामायण प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता आयोजित की गई। इसमें विद्यार्थियों ने उत्साहपूर्वक भाग लेते हुए रामायण के प्रमुख पात्रों, घटनाओं और शिक्षाओं से संबंधित प्रश्नों के उत्तर दिए। प्रतियोगिता में शांति सदन से कक्षा आठवीं 'स' की आराध्या, कक्षा सातवीं 'अ' की रियांशी और कक्षा छठी 'ब' की जानवी ने प्रथम स्थान हासिल किया। विद्यालय के प्रधान राकेश जैन और प्राचार्या डॉ. नीरू ने विजेता विद्यार्थियों को बधाई दी।



हुनर हाट-2026 में छात्राओं ने दिखाई उद्यमशीलता

सोनीपत। राजकीय महिला महाविद्यालय, सेक्टर-12, सोनीपत में प्राचार्या डॉ. किरण सरोहा की अध्यक्षता में आयोजित चार दिवसीय हुनर हाट-2026 का शनिवार को समापन हुआ। छात्राओं ने हस्तशिल्प, सजावटी वस्तुओं और अन्य रचनात्मक उत्पादों के स्टॉल लगाकर अपनी प्रतिभा और उद्यमशीलता का प्रदर्शन किया। समापन समारोह में डॉ. पूर्णमल गौड़, डॉ. जगदीश बत्रा मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहे। डॉ. नरेश कुमार ने अतिथियों का स्वागत किया। अतिथियों ने स्टॉलों का अवलोकन कर छात्राओं से उत्पादों की लागत, मूल्य निर्धारण और विपणन की जानकारी ली तथा उन्हें स्वरोजगार के लिए प्रोत्साहित किया।



स्कूलों में सुरक्षा व्यवस्थाओं की जांच

गन्नौर। स्कूलों में बच्चों की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए सुरक्षा व्यवस्थाओं की जांच की जा रही है। एसडीएम प्रवेश कादियान के आदेश पर महिला एवं बाल विकास विभाग और दमकल विभाग की संयुक्त टीमें निजी स्कूलों में पहुंचकर सुरक्षा मानकों, आग बुझाने के उपकरणों और बिजली व्यवस्था का निरीक्षण कर रही हैं। इसके लिए 10 टीमें गठित की गई हैं। अब तक 36 स्कूलों में से 16 का निरीक्षण पूरा हो चुका है। सरकारी स्कूलों का भी निरीक्षण किया जा रहा है। जांच के दौरान स्कूलों में आगजनी की स्थिति से निपटने की व्यवस्थाओं का जायजा लिया जा रहा है। टीमों की ओर से दमकल उपकरणों की उपलब्धता और उनकी स्थिति जांचने के साथ बिजली के उपकरणों तथा विद्युत सुरक्षा व्यवस्था की भी पड़ताल की जा रही है।



वुशू खेल में प्रताप स्कूल के 16 खिलाड़ी चयनित

खरखौदा। हरियाणा खेल महाकुंभ के लिए सोनीपत जिला की वुशू टीम के चयन हेतु आयोजित ट्रायल में प्रताप स्कूल, खरखौदा के 16 खिलाड़ियों ने शानदार प्रदर्शन करते हुए टीम में स्थान प्राप्त किया। खिलाड़ियों की इस उपलब्धि से विद्यालय में खुशी का माहौल है। चयनित खिलाड़ियों के विद्यालय पहुंचने पर द्रोणाचार्य अवॉर्डी एवं प्रताप स्कूल के खेल निदेशक ओमप्रकाश दहिया, संस्थापक सतप्रकाश दहिया, प्राचार्या दया दहिया, एकेडमिक डायरेक्टर डॉ. सुबोध दहिया तथा वुशू कोच विनोद गुलिया ने खिलाड़ियों का स्वागत किया और उन्हें आगामी राज्य स्तरीय खेल महाकुंभ में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने के लिए आशीर्वाद एवं शुभकामनाएं दीं।



जिला स्तरीय तीरंदाजी में भावेश ने जीता सिल्वर

खरखौदा। बुद्धा इंटरनेशनल पब्लिक स्कूल, खरखौदा के दसवीं के प्रतिभाशाली विद्यार्थी भावेश ने खेल महाकुंभ की जिला स्तरीय तीरंदाजी प्रतियोगिता में द्वितीय स्थान प्राप्त कर विद्यालय का नाम गौरवान्वित किया है। भावेश की इस शानदार उपलब्धि पर विद्यालय के प्रधानाचार्य योगेंद्र दहिया, मैनेजमेंट की ओर से आर. एन. दहिया, कांता दहिया, कामिनी दहिया, नेहा दहिया, तथा कोऑर्डिनेटर शिवानी शर्मा ने विद्यार्थी, उनके कोच एवं उनके समस्त परिवार को हार्दिक शुभकामनाएँ दीं। साथ ही इस उपलब्धि को भावेश की मेहनत, लगन, अनुशासन एवं निरंतर अभ्यास का सुखद परिणाम बताया। विद्यालय परिवार ने विश्वास जताया कि वह भविष्य में भी इसी प्रकार सफलता की नई ऊँचाइयों को छुएगा और विद्यालय एवं अपने परिवार का नाम रोशन करेगा।



हरिभूमि
आवश्यक सूचना
जिन पाठकों को अखबार मिलने में किसी भी प्रकार की असुविधा हो रही हो या उनके घर में कोई अन्य अखबार दिया जा रहा हो वह इन टेलीफोन नम्बरों पर सम्पर्क करें या व्हाट्सअप करें :-
हरिभूमि कार्यालय, बीएसएनएल के सामने, पुल के साथ, सोनीपत
फोन : 8295154800, 9653530209, 9253681005, 9253681010

त्योहार हमारे आपसी सौहार्द के प्रतीक : दिवान

- कम्युनिटी सेंटर सेक्टर-15 में सजी डांडिया नाइट, कांग्रेस शहरी जिलाध्यक्ष ने डांडिया खड़काकर बढ़ाया उत्साह

हरिभूमि न्यूज ▶▶| सोनीपत

शारदीय नवरात्र के पावन पर्व पर शहर भर में भक्ति, उमंग और उल्लास का माहौल बना हुआ है। इसी कड़ी में शहर में विभिन्न स्थानों पर डांडिया नाइट कार्यक्रमों की धूम देखने को मिल रही है। सेक्टर-15 स्थित कम्युनिटी सेंटर में आयोजित डांडिया उत्सवों में जिला कांग्रेस कमेटी के शहरी जिलाध्यक्ष कमल दिवान ने मुख्य अतिथि के रूप में शिरकत की। उन्होंने डांडिया की थाप पर ताल मिलाकर लोगों का उत्साहवर्धन किया और भरपूर आनंद लिया। कमल दिवान ने कहा कि हमारे तीज-त्योहार भारतीय सनातन संस्कृति की अमूल्य धरोहर हैं। ये केवल उत्सव मनाने का जरिया नहीं हैं, बल्कि समाज में आपसी भाईचारे, प्रेम, समरसता और सामाजिक सौहार्द को प्रगाढ़ करने का सशक्त माध्यम भी हैं। नवरात्र जैसे पावन पर्व हमें अधर्म पर धर्म और असत्य पर सत्य की विजय की प्रेरणा देते हैं। डांडिया और गरबा जैसे पारंपरिक नृत्य समाज के सभी वर्गों और पीढ़ियों को एक सूत्र में पिरोने का काम करते हैं।



सोनीपत। कार्यक्रम में जिलाध्यक्ष कमल दिवान साथ में संस्था के पदाधिकारी व अन्य।

वरिष्ठ नागरिक अनुभवों की पूंजी

ग्रुप ऑफ सीनियर सिटीजन, सोनीपत द्वारा कम्युनिटी सेंटर, सेक्टर-15 में संस्था के प्रधान लाजपत मुखी, उपप्रधान सतीश विज एवं राजू वर्मा के नेतृत्व में कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस कार्यक्रम में बड़ी संख्या में वरिष्ठ नागरिकों और उनके परिवारों ने भाग लिया। मुख्य अतिथि कमल दिवान ने कहा कि वरिष्ठ नागरिक हमारे समाज की रीढ़ और अनुभवों की पूंजी हैं। जीवन के इस पड़ाव पर उनका इस प्रकार का उत्साह और उमंग हम सभी के लिए प्रेरणादायक है। उन्होंने वरिष्ठजनों के साथ मिलकर डांडिया खेला। इस मौके पर ब्लॉक अध्यक्ष दीपक चावला, सचिव पायल मलिक सहित शहर के कई प्रबुद्ध एवं गणमान्य नागरिक मौजूद रहे।

अंतरविद्यालयी प्रतियोगिता में शिवा शिक्षा सदन ने ओवरऑल विजेता ट्रॉफी पर जमाया कब्जा



सोनीपत। शिवा शिक्षा सदन के विद्यार्थियों ने अंतरविद्यालयी समूह गान एवं सामूहिक नृत्य प्रतियोगिता में शानदार प्रदर्शन करते हुए विद्यालय का नाम रोशन किया। ब्राइट स्कॉलर स्कूल में आयोजित प्रतियोगिता में शहर के 11 विद्यालयों के विद्यार्थियों ने भाग लिया। कड़ी प्रतिस्पर्धा के बीच शिवा शिक्षा सदन के विद्यार्थियों ने अपनी प्रतिभा, अनुशासन, रचनात्मकता और सामूहिक समन्वय का प्रभावशाली परिचय देते हुए सुपर फर्स्ट स्थान प्राप्त किया। दोनों प्रतियोगिताओं में उत्कृष्ट प्रदर्शन के दम पर विद्यालय ने ओवरऑल विजेता की ट्रॉफी अपने नाम की। सामूहिक नृत्य प्रतियोगिता में शिवा शिक्षा सदन के विद्यार्थियों ने विभिन्न मूर्तियों का रूप धारण कर अपनी प्रस्तुति को विशेष बनाया। नृत्य के माध्यम से पुराने समय से लेकर वर्तमान दौर तक के बदलावों और विकास को आकर्षक अंदाज में दर्शाया गया। विद्यार्थियों की भाव-भंगिमाओं, तालमेल और मंच पर प्रस्तुति ने कार्यक्रम को प्रभावशाली बनाया। विद्यालय के निदेशक अरुण बंसल ने विद्यार्थियों और शिक्षकों को इस उपलब्धि पर बधाई दी। उन्होंने कहा कि इस प्रकार की प्रतियोगिताएं विद्यार्थियों में आत्मविश्वास, अनुशासन, टीम भावना और रचनात्मक सोच विकसित करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती हैं।

पेड़-पौधे प्रकृति की अमूल्य धरोहर, इनका संरक्षण करना हमारी जिम्मेदारी : पंवार



सोनीपत। पर्यावरण संरक्षण और हरियाली को बढ़ावा देने के उद्देश्य से लायंस क्लब सोनीपत की ओर से ब्राइट स्कॉलर सीनियर सेकेंडरी स्कूल में पौधरोपण कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम में सोनीपत के पूर्व विधायक सुरेंद्र पंवार ने मुख्य अतिथि के रूप में शिरकत की और पौधरोपण कर पर्यावरण संरक्षण का संदेश दिया। सुरेंद्र पंवार ने कहा कि पेड़-पौधे प्रकृति की अमूल्य धरोहर हैं। ये शुद्ध वायु देने के साथ पर्यावरण संतुलन बनाए रखने और प्रदूषण कम करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। विकास के साथ पर्यावरण संरक्षण भी जरूरी है, ताकि आने वाली पीढ़ियों को स्वच्छ वातावरण मिल सके। उन्होंने कहा कि केवल पौधे लगाना पर्याप्त नहीं है, बल्कि उनकी नियमित देखभाल करना और उन्हें पेड़ बनने तक सुरक्षित रखना भी जरूरी है। उन्होंने विद्यार्थियों को शुरुआती उम्र से ही प्रकृति के प्रति जिम्मेदारी समझने के लिए प्रेरित किया। सुरेंद्र पंवार ने आयोजन के लिए लायंस क्लब सोनीपत की सराहना की। इस दौरान प्राचार्या किरण दलाल, नीरू मलिक, प्रवीण रेहलन, राजेंद्र गोयल, अनिल लूथरा, संजीव मलिक, प्रवीन मलिक और डॉ. गौरव सहित अन्य गणमान्य व्यक्ति उपस्थित रहे।

धर्म-कर्म

प्रदेशभर के अलावा दिल्ली, उत्तर प्रदेश, मद्रास व मुंबई से श्रद्धालुओं ने माता रानी के किए दर्शन

श्रद्धा व भक्ति का अनूठा संगम भी देखने को मिला

शारदीय नवरात्र उत्सव : रामलीला मैदान में दो बहनों के मिलन से प्रारंभ हुआ सप्तमी मेला

हरिभूमि न्यूज ▶▶| सोनीपत

शारदीय नवरात्र उत्सव के सातवें दिन शनिवार को श्रद्धालुओं ने मां दुर्गा के कालरात्रि स्वरूप की आराधना कर परिवार व समाज की सुख-समृद्धि एवं मंगल कामना की। स्वर्णप्रस्थ पांडव नगरी में नवरात्र उत्सव पर श्रद्धा व भक्ति का अनूठा संगम भी देखने को मिला। प्राचीन परंपरा अनुसार सुनारो वाली गली स्थित सिद्धपीठ श्रीदेवी चिटाने वाली माता मंदिर से माता रानी कामी रोड स्थित सिद्धपीठ प्राचीन श्री चंडी मां महाकाली मंदिर में अपनी बहन से मिलन करने पहुंची। दोनों माताओं के अनूठे मिलन के बाद मंदिर प्रबंधन समिति के पदाधिकारियों, सदस्यों व श्रद्धालुओं ने पूजा-अर्चना कर कामी रोड स्थित रामलीला मैदान में दो दिवसीय सप्तमी का शुभारंभ किया। विधायक निखिल मदान सहित शहरवासियों ने मेला स्थल पर पहुंचकर माता रानी का आशीर्वाद लिया। इससे पहले चिट्टाने वाली माता को सुबह 5 बजे बैंड-बाजे व ढोल नगाड़ों के साथ श्रद्धालु रामलीला मैदान लेकर पहुंचे। दोनों माताओं के मिलन के पश्चात श्रद्धालुओं ने महाआरती कर चिटाने वाली माता रानी के स्वरूप में मेला स्थल स्थित पांडाल में स्थापित करवाया।





आज वापस अपने भवन लौटेंगी माता रानी

पंडित अमित शौनक ने बताया कि वर्षों पुरानी परंपरा अनुसार छठ की कढ़ाई करने के बाद रामलीला मैदान में सप्तमी का मेला लगाया जाता है। मेले से अगले दिन 18 अक्तूबर रविवार सुबह 10 बजे माता रानी रामलीला ग्राउंड से रथ पर विराजमान होकर वापस मंदिर के लिए प्रस्थान करेंगी और पुनः मंदिर में अपना स्थान ग्रहण करेंगी। माता रानी के भवन में विराजमान होने के बाद मेला संपन्न होगा। वहीं सिद्धपीठ प्राचीन श्री चंडी मां महाकाली मंदिर के प्रधान सेवक देवेंद्र कुच्छल ने बताया कि महाकाली मंदिर में 18 अक्तूबर को अष्टमी की कढ़ाई की जाएगी। सुबह 11 बजे आरती व कन्या पूजन के बाद प्रसाद वितरित किया जाएगा। मुख्यातिथि के रूप में मेयर राजीव जैन शिरकत करेंगे।

11 तरह के अलग-अलग भंडारों का किया प्रबंध

रामलीला मैदान में लगाए गए मेले में दिनभर प्रदेशभर के अलावा दिल्ली, उत्तर प्रदेश, मद्रास व मुंबई से श्रद्धालु माता रानी के दर्शन व पूजन के लिए पहुंचे। मेला स्थल पर पूजा-अर्चना के लिए आने वाले श्रद्धालुओं के लिए सुरक्षा व्यवस्था के प्रबंधों के साथ 11 तरह के अलग-अलग भंडारों का प्रबंध किया गया। श्रद्धालुओं ने इच्छानुसार मेले में कढ़ी-चावल, पूरी-सब्जी, छोले, हलवा, खीर का प्रसाद ग्रहण किया। इसके बाद रात 10 बजे मंदिर प्रबंधन समिति के पदाधिकारियों, सदस्यों व श्रद्धालुओं ने माता रानी की महाआरती की। इस अवसर पर महेश गोयल, अमित शौनक, नरेश गोयल, अजय कुच्छल, दलीप कुच्छल, शुभम, तरुण, प्रदीप, अशोक गोयल, प्रवीण, वंश कुच्छल, सुधीर गोयल, महेंद्र मंगला आदि मौजूद रहे।